बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित
दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
संस्कार उजाला
सच का हुंकार
संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर
sanskarujala@gmail.com
संस्कार उजाला
हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें
मो0-9456278011
गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित
वर्ष : 11 अंक : 131 | बृहस्पतिवार 31 अगस्त 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

ममता और नीतीश को जल्दी चुनाव का क्यों सता रहा है डर, मुंबई की मीटिंग में करेंगे चर्चा

ऐसी आशंका सबसे पहले नीतीश कुमार ने ही जून में दोहराई थी और कहा था कि यह जरूरी नहीं है कि लोकसभा के चुनाव अगले साल ही हों। ऐसा भी हो सकता है कि इन्हें पहले ही करा लिया जाए और ऐसा इसी साल हो।

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का कहना है कि लोकसभा चुनाव जल्दी हो सकते हैं। ऐसी आशंका सबसे पहले नीतीश कुमार ने ही जून में दोहराई थी और कहा था कि यह जरूरी नहीं है कि लोकसभा के चुनाव अगले साल ही हों। ऐसा भी हो सकता है कि इन्हें पहले ही करा लिया जाए और इस साल भी ये हो सकते हैं। इसी को आगे बढ़ाते हुए ममता बनर्जी ने पिछले दिनों कहा था कि सरकार पहले ही चुनाव करा सकती है क्योंकि वह तीन राज्यों में हार के बाद लोकसभा चुनाव में नहीं उतरना चाहती। उनकी इस आशंका के बाद नीतीश कुमार ने एक बार फिर से कहा कि चुनाव जल्दी हो सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि ममता बनर्जी और नीतीश कुमार चाहते हैं कि विपक्ष की मुंबई में 31 अगस्त और 1 सितंबर को होने वाली मीटिंग में भी जल्दी चुनाव की संभावना पर चर्चा की जाए। इस बार की बैठक में INDIA गठबंधन के दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर भी बात हो सकती है, जो एकता की सबसे अहम कड़ी होगा। यही वजह है कि नीतीश और ममता जल्दी चुनाव पर चर्चा चाहते हैं ताकि आगे सीटों के बंटवारे पर बात हो सके और चुनाव की तैयारियों में भी सारे दल जुट सकें।

इस मीटिंग में INDIA गठबंधन का लोगो, मुख्यालय और संयोजक फाइनल हो सकते हैं। कयास हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को ही संयोजक बनाया जा सकता है, जबकि 11 अन्य दलों से सह-संयोजक हो सकते हैं। हालांकि पेच सीटों पर ही फंसेगा क्योंकि बिहार, बंगाल, यूपी जैसे राज्यों में क्षेत्रीय दल खासे मजबूत हैं और कांग्रेस भी आसानी

से त्याग नहीं करना चाहेगी। पिछले दिनों अखिलेश यादव और ममता बनर्जी तो इस बात पर सहमत भी दिखे थे कि कांग्रेस को ऐसे राज्यों में क्षेत्रीय दलों को ही सपोर्ट करना चाहिए, जहां वह कमजोर है।

भाजपा और मोदी सरकार के इन कदमों से भी बढ़ी आशंका

जल्दी चुनाव होने का डर नीतीश और ममता बनर्जी जैसे नेताओं को इसलिए भी सता रहा है क्योंकि भाजपा की तैयारी भी तेज है। चर्चा है कि वह जल्दी ही लोकसभा उम्मीदवार भी तय करना शुरू कर देगी। यही नहीं जिस तरह एलपीजी गैस के दामों में 200 रुपये की कटौती की गई है और तमाम योजनाओं का खुद पीएम नरेंद्र मोदी उद्घाटन कर रहे हैं, उससे भी ऐसे कयास लग रहे हैं। भाजपा संसदीय दल की बैठकों में भी पीएम नरेंद्र मोदी सांसदों को लगातार संदेश देते रहे हैं कि वह जनता के बीच जाएं और सरकार की योजनाओं का प्रचार करें। साफ है कि भाजपा महीनों पहले से ही चुनावी मोड में है और इसी से विपक्ष की आशंकाओं को बल मिल रहा है।

एनएसजी कमांडो से हेलीपैड और सेफ हाउस तक, जी-20 समिट के वीवीआईपी की सुरक्षा को ये खास इंतजाम

नई दिल्ली। जी-20 समिट के दौरान आईटीपीओ में होने वाले सम्मेलन के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए जा रहे हैं। किसी भी तरह की इमरजेंसी से निपटने के लिए विशेष तौर पर हॉल संख्या 4 के पास हेलीपैड तैयार किया गया है। जरूरत पड़ने पर एनएसजी के विशेष कमांडो हेलीकॉप्टर की मदद से यहां ऑपरेशन चलाएंगे और वीवीआईपी को इसी हेलीकॉप्टर से सुरक्षित बाहर निकाला जाएगा। इसके लिए एनएसजी के कमांडो बीते दो माह से लगातार अभ्यास कर रहे हैं। आवश्यकता पड़ने पर वीवीआईपी की गाड़ी को भी हेलीकॉप्टर से लिफ्ट किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियां किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतना चाहती हैं। कुछ समय पहले गृह सचिव अजय भल्ला ने आईटीपीओ का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने पुलिस को सलाह दी थी कि इमरजेंसी के लिए हेलीपैड बनाने की संभावना देखी जाए। उनके निर्देश के बाद एनएसजी के साथ हुई बैठक में भी यह मुद्दा उठाया गया था। एनएसजी की तरफ से साफ किया गया था कि आपात स्थिति में हेलीकॉप्टर से ही उन्हें ऑपरेशन चलाना होगा। इसलिए प्रगति मैदान में हेलीपैड बनाया जाए। सूत्रों ने बताया कि हॉल संख्या 4 के समीप हेलीपैड तैयार कर लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि आपातकालीन हालात से निपटने के लिए आईटीपीओ से लेकर होटलों, एयरपोर्ट और राजघाट के पास सुरक्षित जगह (सेफ हाउस) बनाए गए हैं, ताकि तत्काल वीवीआईपी को वहां शिफ्ट किया जा सके। आतंकी हमले से निपटने के लिए एनएसजी के 200 कमांडो दिल्ली में तैनात रहेंगे। हाल ही में उन्होंने अक्षरधाम में भी हेलीकॉप्टर से बचाव ऑपरेशन के लिए अभ्यास किया गया है। ड्रोन हमले से भी निपटने के लिए एनएसजी की विशेष टीम यहां तैनात रहेगी।

एनडीआरएफ की टीम भी मुस्तैद रहेगी-

सूत्रों ने बताया कि बेहद महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम होने के चलते आतंकी हमले की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए सुरक्षा को हर तरह से मजबूत किया जा रहा है।

बिहार में भीषण हादसा, हाइवे पर कंटेनर में घुसी स्कॉर्पियो

सात लोगों की मौत

सासाराम। बिहार के सासाराम में भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और चार लोग गंभीर घायल है। हादसा रोहतास जिले के शिवसागर थाना इलाके में नेशनल हाइवे नंबर 2 पर बुधवार अलसुबह करीब 3 बजे हुआ। एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार हाइवे पर कंटेनर में घुस गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग फंस गए। बड़ी मशक्कत के बाद उन्हें निकालकर अस्पताल ले जाया गया। मरने वालों में तीन बच्चे एवं दो महिलाएं शामिल हैं। सभी मृतक कैमूर जिले के बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार सुदेश्वर शर्मा अपने परिवार के साथ बोधगया से अपने गांव कैमूर जिला के सबार थाना क्षेत्र के कुराड़ी वापस लौट रहे थे। तभी

अहले सुबह स्कार्पियो चालक को झपकी आ गई, और उनकी गाड़ी आगे जा रही एक कंटेनर में पीछे से जा भिड़ी। घटना में स्कार्पियो के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। टोल प्लाजा के हाईड्रा गाड़ी से स्कार्पियो को कंटेनर से बाहर खींच कर निकाला गया। हादसे में छह की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। जबकि एक की मौत सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। चार लोग बुरी तरह से घायल हैं। हादसे में सुदेश्वर शर्मा की पत्नी राजमुनि देवी (50) बेटी प्रेमलता (35) एवं बेटे रविनंदन कुमार (30) की मौत हो गई है। वहीं, आदित्य कुमार 12 वर्षीय पिता अरविंद शर्मा की भी मौत हुई है। दुर्घटना में 16 साल के किशोर एवं 5 साल के बच्चे की भी मौत हुई है। सुद्धेश्वर शर्मा गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दुर्घटना में एक ही परिवार के सात लोगों की मौत के बाद परिजन एवं गांव में हाहाकार मच गया है।

जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य बना दिया जाएगा, 31 अगस्त को विस्तृत बयान देगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की किस समय सीमा के बारे में सोचता है, इसके बारे में उसे आधिकारिक तौर पर अवगत कराये। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्य कांत की संविधान पीठ ने अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल से कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य बनाने के लिए कोई समय सीमा है तो वे केंद्र से निर्देश प्राप्त कर शीर्ष अदालत को अवगत करायें।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मुद्दे पर उच्चतम स्तर पर निर्देश प्राप्त करने के बाद अपना रुख स्पष्ट करने के लिए 31 अगस्त तक का समय मांगा। उन्होंने कहा कि वह 31 अगस्त को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की केंद्र शासित प्रदेश की स्थिति के भविष्य पर एक विस्तृत बयान देंगे।

संविधान पीठ अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। संविधान पीठ ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बचाव में सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद उनसे केंद्र सरकार का जम्मू कश्मीर को फिर राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में आधिकारिक बयान देने को कहा।

शीर्ष अदालत ने केंद्र से सवाल किया, क्या

संसद के पास मौजूदा भारतीय राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने की शक्ति है।

इस पर श्री मेहता ने जवाब दिया कि जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का फैसला स्थायी नहीं है। उन्होंने कहा, जब चीजें सामान्य हो जाएंगी तो जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य बना दिया जाएगा। सॉलिसिटर जनरल ने संविधान पीठ को बताया कि सदन (सांसद) में भी एक बयान दिया गया है और प्रयास किए जा रहे हैं। एक बार प्रयास सफल हो जाएं और स्थिति सामान्य हो जाए तो हम इस (राज्य बनाने) पर विचार करेंगे।

श्री मेहता ने कहा, ÷हम हमेशा राष्ट्रीय एकता के पक्ष में हैं। मैं चुनाव और राजनीति की बात नहीं करूंगा। मैं राष्ट्रीय एकता के मुद्दे पर बात करूंगा। इसमें लोगों की भलाई का ध्यान रखा जा रहा है।÷

इस पर पीठ ने कानून अधिकारी से कहा कि लोकतंत्र की बहाली भी महत्वपूर्ण है।

पीठ ने कहा, ÷लोकतंत्र की बहाली भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। हमारे पास ऐसी स्थिति नहीं हो सकती, जहां ...कुप्रबंधन (अव्यवस्था) हो।

श्री मेहता ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के 5 अगस्त 2019 के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि 2020 में दशकों में पहली बार स्थानीय निकाय चुनाव हुए और कोई हड़ताल, कोई पथराव, कोई कर्फ्यू नहीं लगाना पड़ा।

उन्होंने विकास कार्यों का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत को बताया, नए होटल बनाए जा रहे हैं। फैसले (अनुच्छेद 370 को निरस्त करने) से सभी को फायदा हुआ है। सॉलिसिटर जनरल ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में पुनर्गठित करना उसी पैटर्न का पालन करता है, जैसा 1966 में सरकार ने पंजाब को विभाजित करके हरियाणा और चंडीगढ़ केंद्रशासित प्रदेश बनाने के लिए अपनाया था, जब यह राष्ट्पति शासन के अधीन था।

राजस्थान में परिवर्तन यात्राओं के सहारे भाजपा

रमेश सर्राफ धमोरा

भाजपा आलाकमान विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेहरा बना रहा है। मगर पार्टी के अंदरखाने मची जंग पर अभी तक नियंत्रण नहीं कर पाया है। वसुंधरा राजे दो बार मुख्यमंत्री रहने से उनका आज भी लोगों पर काफी प्रभाव है। यदि पार्टी आलाकमान चुनाव में उनकी उपेक्षा करेगा तो यह पार्टी के लिए घाटे का सौदा भी साबित हो सकता है। फिलहाल वसुंधरा राजे अभी चुप्पी साधे हुए हैं तथा समय का इंतजार कर रही है। अंदर खाने वसुंधरा राज्य ने अपनी राजनीति का अगला प्लान तैयार कर रखा है।

राजस्थान भाजपा में आपसी गुटबाजी खुलकर उजागर हो रही है। विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित सभी बड़े नेता अपने को फ्रंट में लाने के प्रयास में लगे हुयें हैं। वसुंधरा समर्थको को मानना है कि उनको ताकत दिखाने का अब अंतिम अवसर है। यदि इस बार चूक गए तो फिर मुख्य धारा की राजनीति में पिछड़ जाएंगे। वसुंधरा समर्थक कई विधायकों को तो इस बात का डर भी सता रहा है कि यदि मैडम राजनीतिक रूप से कमजोर होती है तो उनकी टिकट भी खतरे में पड़ सकती है। इसीलिए वसुंधरा के सभी समर्थक जोर दे रहे हैं की मैडम पार्टी आलाकमान से दो टूक बात करें।

पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व भी राजस्थान में भाजपा की फूट को लेकर पूरी तरह सतर्क है। भाजपा आलाकमान जानता हैं कि राजस्थान भाजपा में सभी नेताओं के अपने-अपने गुट बने हुए हैं। जिसके चलते सभी एक दूसरे की टांग खींचाई करने में लगे हुए हैं। भाजपा ने अपने प्रादेशिक नेताओं की आपसी खेतान के चलते ही प्रदेश के चार क्षेत्रों में निकली जाने वाली परिवर्तन संकल्प यात्रा का नेतृत्व किसी भी बड़े नेता को नहीं सौंपा है। भाजपा चारों यात्राओं का नेतृत्व सामूहिक रूप से करने का निर्णय लिया है। ताकि यात्रा के बहाने कोई नेता खुद को बडा नहीं दिखा सके। यात्रा के संयोजन की जिम्मेदारी पार्टी ने दूसरी पंक्ति के नेताओं को दी है ताकि बिना गुटबाजी के यात्राओं का समापन हो सके। ऐसे में अब पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन मेघवाल, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया सहित किसी भी अन्य नेता के बीच मुख्यमंत्री बनने की होड़ खत्म हो गई है। अब अगर पार्टी सत्ता में आती है तो शीर्ष नेतृत्व ही तय करेगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा।

भाजपा की ओर से निकाली जाने वाली परिवर्तन यात्रा को लेकर चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने बताया कि भाजपा प्रदेश में आगामी दो सितंबर से परिवर्तन यात्रा की शुरूआत करेगी। यह यात्रा चार अलग-अलग स्थानों और दिशाओं से प्रदेश भाजपा के सामूहिक नेतृत्व में 8,982 किलोमीटर का सफर तय कर प्रदेश की 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। परिवर्तन यात्रा के दौरान किसान चैपाल, युवा मोटरसाईकिल रैली, महिलाओं की बैठक और दलित चैपालें भी आयोजित होंगी।

पहली परिवर्तन संकल्प यात्रा दो सितंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में त्रिनेत्र गणेश मंदिर रणथंबौर सवाईमाधोपुर से प्रारंभ होगी। जिसमें भाजपा का प्रदेश नेतृत्व मौजूद रहेगा। प्रथम परिवर्तन यात्रा 18 दिनों में 1847 किलोमीटर चलकर भरतपुर संभाग, जयपुर संभाग एंव टोंक जिले की 47 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा के संयोजक भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी व सह संयोजक भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र गोठवाल होंगे। दूसरी परिवर्तन यात्रा तीन सितंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में बेणेश्वर धाम डूंगरपुर से प्रारंभ होगी। दूसरी यात्रा के दौरान 19 दिनों में 2433 किलोमीटर चलकर उदयपुर संभाग, कोटा संभाग और भीलवाडा जिले की कुल 52 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा का संयोजक प्रदेश उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया को व सह संभाग प्रभारी प्रमोद सांभर सह सयोजक के दायित्व का निर्वहन करेंगे।

तीसरी परिवर्तन यात्रा चार सितंबर को केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रामदेवरा जैसलमेर से प्रारंभ होगी। यह यात्रा 18 दिनों में 2574 किलोमीटर चलकर जोधपुर संभाग, अजमेर व नागौर जिले की कुल 51 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा के संयोजक राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत को बनाया गया है। जोधपुर सह-संभाग प्रभारी सांवलाराम देवासी सहसंयोजक होंगे। चौथी परिवर्तन यात्रा पांच सितंबर को केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में गोगामेडी हनुमानगढ से प्रारंभ होगी। यह यात्रा 18 दिनों में 2128 किलोमीटर चलकर बीकानेर संभाग, झुंझुनू, सीकर और अलवर जिले की कुल 50 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। इस यात्रा का संयोजक पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीआर चौधरी व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण बगडी को सह संयोजक बनाया गया है।

इन सभी यात्राओं के लिए एक टोली का गठन किया गया है। जिसमें मीडिया, सोशल मीडिया, आईटी एंव प्रचार-प्रसार सभा के प्रमुख बनाए गए हैं। प्रदेश की गहलोत सरकार के राज में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण एंव कुशासन के कारण प्रदेश की जनता त्रस्त है। इसलिए कांग्रेस की इस जनविरोधी सरकार को उखाड फेंकने के लिए जनता ने संकल्प ले लिया है।

विधानसभा चुनाव से पहले निकाली जा रहीं भाजपा की चारों परिवर्तन यात्राओं को केंद्रीय स्तर के नेता रवाना करेंगे। भाजपा ने किसी एक चेहरे को इन यात्राओं की जिम्मेदारी नहीं दी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि प्रदेश स्तर की यात्राओं में भाजपा आलाकमान ने किसी भी स्थानीय नेता को जिम्मेदारी क्यों नहीं दी। इसका मुख्य कारण कारण पार्टी में व्याप्त गुटबाजी को माना जा रहा है। किसी एक नेता के चेहरे को आगे करने से पार्टी के अन्य नेता नाराज हो सकते हैं। इससे बचने के लिए पार्टी ने यह कदम उठाया है। पार्टी आलाकमान नहीं चाहता कि चुनाव से पहले किसी तरह के मतभेद सामने आएं।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भाजपा की राष्टीय उपाध्यक्ष हैं। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी आलाकमान ने उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है। इससे राजे और उनके समर्थक नाराज बताए जा रहे हैं। परिवर्तन यात्रा को लेकर भी पार्टी ने राजे को कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है। इससे पहले हुए भाजपा के कई कार्यक्रम में राजे शामिल नहीं हुईं थीं। कुछ दिनो पूर्व गंगापुरसिटी में अमित शाह के कार्यक्रम में भी वसुंधरा राजे शामिल नहीं हुयी जबकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला उस कार्यक्रम में उपस्थित थे। ऐसे में अभी तक इस पर संशय बना हुआ है कि वसुंधरा राजे परिवर्तन संकल्प यात्रा में शामिल होंगी या नहीं। इसकी तस्वीर आने वाले दिनों में साफ होगी।

भाजपा आलाकमान विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेहरा बना रहा है। मगर पार्टी के अंदरखाने मची जंग पर अभी तक नियंत्रण नहीं कर पाया है। वसुंधरा राजे दो बार मुख्यमंत्री रहने से उनका आज भी लोगों पर काफी प्रभाव है। यदि पार्टी आलाकमान चुनाव में उनकी उपेक्षा करेगा तो यह पार्टी के लिए घाटे का सौदा भी साबित हो सकता है। फिलहाल वसुंधरा राजे अभी चुप्पी साधे हुए हैं तथा समय का इंतजार कर रही है। अंदर खाने वसुंधरा राज्य ने अपनी राजनीति का अगला प्लान तैयार कर रखा है। इसलिए वह अपने धुर विरोधियों से मिलकर उनसे राजनीतिक मतभेद समाप्त कर रही हैं। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस की फिर से सरकार बनाने के लिए पूरा जोर लगाए हुए हैं। कांग्रेस आला कमान के प्रयासों से सचिन पायलट भी गहलोत के साथ जुट गए हैं। ऐसे में भाजपा अपनी अंदरुनी फूट पर कितना काबू कर पाती है। इसी पर राजस्थान में भाजपा की अगली सरकार बनने का भविष्य टिका है।

संपादकीय

चुनाव की गैस

सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए गैस सिलेंडर की कीमत में 200 रुपये की कटौती कर दी है। सरकार ने महंगाई से परेशान आम जनता को थोड़ी राहत देते हुए रसोई गैस के दाम 200 रुपये सब्सिडी देने का फैसला किया है। जुलाई 2023 में खुदरा महंगाई दर 7.44 प्रतिशत पर जा पहुंची। जून 2023 में यह दर 4.87 प्रतिशत पर थी। रिजर्व बैंक की नीतिगत आकांक्षा यह है कि यह महंगाई दर चार प्रतिशत के करीब रहेङ्क गिरे तो गिरकर दो प्रतिशत से नीचे ना जाए और बढ़े तो यह छह प्रतिशत से ऊपर ना जाए। पर महंगाई छह प्रतिशत से ऊपर जा चुकी है यानी 7.44 प्रतिशत पर है। महंगाई से त्रस्त जनता को 200 रुपये की छूट देकर सरकार अपने पक्ष में चुनावी माहौल करना चाहती हैऽ, ऐसी बात कई विपक्षी नेता कह रहे हैं। क्या चुनाव जल्दी हो सकते हैं, यह सवाल तो अलग है, पर बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकार को अब महंगाई में एक चुनावी चिंता दिखाई पड़ने लग गई है। गौरतलब है कि हाल के महीनों में टमाटर के भाव ने आसमान पर पहुंचकर सरकार के लिए एक नई चिंता खड़ी कर दी। प्याज के भाव ने अलग चिंता का माहौल तैयार कर दिया है। हालांकि केंद्र सरकार ने देश से प्याज के निर्यात पर पाबंदियां लगा, आमजन को फौरी राहत दी। सरकार ने घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता सुनिश्चित करने और इसकी कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए यह कदम उठाया है। प्याज पर निर्यात शुल्क लगाने का मतलब कि प्याज के रेट बढ़ जाएंगे, बढ़े रेट पर ग्राहकों तलाशना अंतरराष्ट्रीय बाजार में मुश्किल है। प्याज निर्यात ना हो पाएगा, तो उसकी आपूर्ति देश में बढ़ेगी। इससे भाव कम होंगे। पर यह भी राजनीतिक तौर पर कई नेताओं को मंजूर नहीं है। शरद पवार ने आलोचना की है कि इतने भारी निर्यात शुल्क को लगाने की। शरद पवार के राज्य महाराष्ट्र में प्याज का आर्थिक और राजनीतिक महत्त्व है। प्याज सस्ता हो, तो उपभोक्ता का फायदा है, पर किसान का घाटा है। स्मार्ट विपक्षी दलों के पास हमेशा यह विकल्प होता है कि प्याज सस्ता हो तो किसानों की तरफ से आंदोलन करो और प्याज महंगा तो उपभोक्ताओं की तरफ से आंदोलन करो। विपक्ष को सरकार के सामने तरह-तरह की चुनौतियां पेश करनी ही चाहिए। महत्त्वपूर्ण यह है कि अब महंगाई जैसे मुद्दों पर सार्थक बहस देखने में आ रही है, यह लोकतंत्र के लिए शुभ है, वरना लंबे समय से राजनीति भावनात्मक मुद्दों पर ही हो रही थी।

आदित्य-एल 1/प्रमोद भार्गव

सूर्य को जानने की जिज्ञासा

चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतारने के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने आदित्य-एल-1 को सूर्य की कक्षा में पहुंचाने के अभियान में जुट गया है। इस यान को 2 सितम्बर को प्रक्षेपित किया जाएगा। यदि इस अभियान में भारत सफल हो जाता है तो वह सूर्य का अध्ययन करने वाला चौथा देश हो जाएगा। इसके पहले अमेरिका, रूस और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी सूर्य पर शोध कर चुके हैं। यह अभियान शत-प्रतिशत स्वदेशी है और इसके प्रक्षेपण में करीब चार माह लगेंगे। सूरज की सतह पर प्रचंड तापमान की पृष्ठभूमि में सूरज की सतह पर उपलब्ध प्लाज्मा का विस्फोट है। इस विस्फोट की वजह से लाखों टन प्लाज्मा अंतरिक्ष में फैल जाता है। इसे सीएनई कहते है। इसे पूरे ब्रह्मांड में फैलाने का काम प्रकाश की गति करती है। कभी-कभी यह प्लाज्मा धरती के ओर भी आ जाता है, परंतु धरती के तीव्र चुंबकीय क्षेत्र के प्रभाव की वजह से यह धरती की कक्षा तक पहुंचने से पहले ही नष्ट हो जाता है। फिर भी धरती की तरफ आने के समय ही पृथ्वी की कक्षा में परिक्रमा कर रहे उपग्रहों को यह सीएमई हानि पहुंचाने का काम कर देती है। कई बार सीएमई धरती की परत को भेदकर वायुमंडल में भी प्रवेश कर जाती है। इसलिए आदित्य एल को सूर्य के निकट भेजकर वायुमंडल में जो तत्व नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं, उनको जानकर उन्हें नियंत्रित करना भी है। इसलिए ऐसा भी माना जा रहा है कि आदित्य अंतरिक्ष में विचरण कर रहे उपग्रहों के की सुरक्षा के लिए वरदान भी साबित हो सकता है। दरअसल, किसी भी ग्रह के पास पहुंचे बिना, उसके संपूर्ण रहस्यों को जानना असंभव है। इसलिए दुनिया के वैज्ञानिक सूर्य के निकट पहुंचकर उसके रहस्यों को उजागर करने के प्रयास में लगे हैं। सूर्य की सतह पर निरंतर परमाणु प्रतिक्रिया होती रहती है। ये प्रतिक्रियाएं यदि सूर्य के ध्रुवों के निकट होती रहती हैं तो इस घटना का कोई प्रभाव धरती पर नहीं पड़ेगा। चूंकि सूर्य के करीब पहुंचना आसान नहीं है, इसलिए इसे अभी तक वैज्ञानिक बहुत ज्यादा जान ही नहीं पाए हैं। इस नाते आदित्य एल सूर्य के कुछ नए रहस्य जरूर उजागर करेगा।

घूसखोरी के आरोप में ईडी के 5 अधिकारी हिरासत में

सनत जैन

सीबीआई ने दिल्ली शराब घोटाले के एक मामले में ईडी के 5 अधिकारियों के ऊपर 5 करोड रुपए की घूस लेने के आरोप में मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने इस मामले में ईडी के एक सहायक निदेशक और 6 अन्य अधिकारियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने इन सभी दोषी अधिकारियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि सीबीआई ने अभी तक गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है।जिन अधिकारियों को सीबीआई ने अपनी हिरासत में लिया है। उनके नाम सहायक निदेशक पवन खत्री,ईडी में अपर डिवीजन क्लर्क नीतेश कोहर, एयर इंडिया के सहायक महाप्रबंधक दीपक सांगवान, अमनदीप सिंह ढल ,वीरेंद्र पाल सिंह, चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रवीण कुमार वत्स तथा क्लेरिज होटल और रिजार्ट के सीईओ विक्रमादित्य को हिरासत में लिया है।

सीबीआई के अधिकारी इन सभी आरोपियों से जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। इन सभी के ऊपर 5 करोड रुपए की घूस में लेने का आरोप है। दिल्ली के शराब घोटाले में ईडी के इन अधिकारियों ने अपने पद और प्रभाव का उपयोग करते हुए ,दोषियों को बचाने के लिए यह रिश्वत ली थी। पहली बार ईडी के अधिकारी रिश्वत लेने के मामले में सीबीआई की हिरासत में आए हैं। ईडी के कानून इतने सख्त हैं, कि एक बार इसमें यदि किसी की गिरफ्तारी हो जाती है, तो सालों-साल उनकी इसमें जमानत नहीं होती है। ईडी के अधिकारियों का खौफ इतना ज्यादा हो गया है। लोग गिरफ्तारी से बचने के लिए ईडी के अधिकारियों की हर जायज और नाजायाज बात को मानने के लिए विवश होते हैं। ईडी की गिरफ्तारी में बड़े-बड़े मंत्री और अधिकारी कई महीनों और कई सालों से जेल की सलाखों के पीछे बंद हैं। इसके बाद से ईडी का जबरदस्त भय सभी में व्याप्त है। ईडी के कोप से बचने के लिए न्यायाधीशों, बड़े-बड़े अधिकारियों, बड़े-बड़े राजनेता तथा अपराधी ईडी के नाम से ही थर-थर कांपने लगते हैं। इसी भय का लाभ उठाकर कई राज्यों की सरकारें गिरा दी गई। बड़े पैमाने पर दल-बदल हुए। अब ईडी के अधिकारी बेखोफ होकर वसूली में लग गए हैं। पहली बार सीबीआई ने इस रिश्वत मामले का खुलासा किया है। ईडी के अधिकारी रिश्वत के आरोप में सीबीआई की हिरासत में आए हैं। जिसकी प्रतिक्रिया देश भर में बड़े पैमाने पर देखने को मिल रही है। ईडी के निदेशक संजय मिश्रा 15 सितंबर को सेवानिवृत हो जाएंगे। सरकार उन्हें सीबीआई और ईडी का सीईओ बनाने जा रही है। केंद्र सरकार का यह स्पेशल पद होगा। संजय मिश्रा के निर्देश पर दोनों संस्थाओं के निदेशक काम करेंगे। दोनों संस्थाएं इतनी पावरफुल है। तब एक ही व्यक्ति द्वारा दोनों संस्थाएं संचालित होंगी, तो इसके क्या परिणाम होंगे, सोचने से ही डर लगने लगता है। इसको लेकर देशभर में तरह-तरह की चर्चाए होने लगी हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नजर अंदाज करते हुए संजय मिश्रा को सरकार पहले से ज्यादा पावरफुल बना रही है। ईडी का इस समय जो खौफ देखने को मिल रहा है। विशेष रूप से न्यायपालिका,कार्यपालिका राजनेताओं, कारोबारियों के बीच में ईडी की जो दहशत बनी है। उसने सभी की बोलती बंद कर दी है। अब यह भी कहा जा रहा है, कि आपातकाल से ज्यादा खौफ ईडी का देश में वर्तमान में बन गया है। ईडी जो चाहे, वह करा सकती है। संजय मिश्रा इस की नियुक्ति सरकार ने यदि सीईओ के रुप में कर दी तो वह देश के सबसे शक्तिशाली अधिकारी होंगे। न्यायपालिका भी ईडी से भयभीत है। अतः सरकार की हां में हां मिलाने के अलावा कोई विकल्प भी नहीं बचा है।

भारत के प्रति पश्चिमी देशों को बदलना होगा अपना नजरिया

प्रहलाद सबनानी

अंततः भारत चल पड़ा है विश्व गुरु बनने की राह पर। परंतु, पश्चिमी देशों में कुछ विघनसंतोषी जीवों को शायद यह रास नहीं आ रहा है क्योंकि भारत, ब्रिटेन का कभी औपनिवेशिक देश रहा है और इन देशों की नजर में यह कैसे हो सकता है कि ब्रिटेन के चन्द्रमा पर पहुंचने के पूर्व ही उनका एक पूर्व औपनिवेशक देश अपना चन्द्रयान-3 सफलता पूर्वक चन्द्रमा पर उतार ले। भारत, पूरे विश्व में, पहिला देश है जिसने चन्द्रयान-3 को चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सलतापूर्वक उतार लिया है। अन्यथा, विश्व का कोई भी देश, अमेरिका, रूस एवं चीन सहित, अभी तक चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर अपना यान उतारने में सफल नहीं हो सका हैं। निश्चित ही भारत की यह सफलता न केवल भारत के लिए बल्कि विश्व के समस्त देशों के लिए गर्व का विश्व होना चाहिए। यदि चन्द्रयान-3 अपने उद्देश्यों में सफल हो जाता है जैसे चन्द्रमा पर पानी उपलब्ध है अथवा नहीं, चन्द्रमा पर किस प्रकार के खनिज पदार्थ (सोना, प्लेटिनम, टाइटेनियम, यूरेनियम, आदि), रासायनिक पदार्थ, प्राकृतिक तत्व, मिट्टी एवं अन्य तत्व पाए जाते हैं, आदि का पता लगने पर क्या इस जानकारी का लाभ केवल भारत को ही होने जा रहा है अथवा क्या विश्व के अन्य देश भी इस जानकारी का लाभ उठा सकने की स्थिति में नहीं होंगे। परंतु, पश्चिमी देशों में कुछ तत्व भारत की इस महान उपलब्धि को सकारात्मक दृष्टि से न देखते हुए इस संदर्भ में अपनी नकारात्मक सोच को आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहे है, और सम्भव है कि भारत के प्रति उनकी यह नकारात्मक सोच इन देशों के लिए भविष्य में हानिकारक सिद्ध हो।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक कार्टून छापा है जिसमें बताया गया है कि विशिष्ट वर्ग के दो नागरिक एक कक्ष (कैबिन) में बैठे हैं एवं इनमें से एक संभ्रात व्यक्ति एक अखबार में भारत के मंगल मिशन के सम्बंध में जानकारी पढ़ रहा है। इस कक्ष के बाहर भारतीय गरीब किसान के रूप में एक गाय को लेकर एक व्यक्ति दरवाजे के बाहर खड़ा है, जो दरवाजे पर दस्तक देता हुआ दिखाई दे रहा है। इस कार्टून से ऐसा महसूस कराए जाने का प्रयास किया जाना प्रतीत हो रहा है कि जैसे एक गरीब भारत देश, पश्चिमी देशों से अपने मंगल मिशन के लिए सहायता मांग रहा हो। संभवतः भारत के चन्द्रयान-3 की सफलता को पश्चिमी देशों में कुछ तत्व पचा नहीं पा रहे हैं।

एक ब्रिटिश पत्रकार पेट्रिक क्रिस्टी ने भारत को चन्द्रयान-3 को चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सफलता पूर्वक उतारे जाने की बधाई देते हुए यह मांग की है कि ब्रिटेन द्वारा भारत को उपलब्ध कराई जा रही आर्थिक सहायता राशि को वापिस लिया जाना चाहिए क्योंकि उसके अनुसार चूंकि भारत की आधी आबादी गरीबी का जीवन जी रही है अतः ब्रिटेन द्वारा भारत को दी जा रही आर्थिक सहायता राशि का उपयोग भारत में गरीबी मिटाने के उद्देश्य से न किया जाकर अंतरिक्ष में अपने चन्द्रयान भेजने के लिए किया जा रहा है। इस ब्रिटिश पत्रकार का दावा है कि ब्रिटेन द्वारा भारत को वर्ष 2016 से वर्ष 2021 के बीच 230 करोड़ ब्रिटिश पाउंड की राशि आर्थिक सहायता के रूप में उपलब्ध कराई गई है। उक्त पत्रकार का यह भी कहना है कि यदि भारत अपने राकेट को अंतरिक्ष में भेज रहा है तो भारत को ब्रिटेन के पास कटोरा लेकर मदद के लिए नहीं आना चाहिए। जबकि इस संदर्भ में वास्तविकता यह है कि भारत कभी भी ब्रिटेन के पास आर्थिक सहायता मांगने के लिए गया ही नहीं है। इस संदर्भ में ब्रिटेन द्वारा सरकारी तौर पर उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार ब्रिटेन ने भारत को किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई हैं परंतु ब्रिटेन ने वर्ष 2015 के बाद से भारत में व्यवसाय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निवेश जरूर किया है ताकि भारत के बाजार में ब्रिटेन का योगदान बढ़ सके एवं ब्रिटेन के नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर निर्मित हो सकें।

यह भी एक वास्तविकता है कि भारत आज विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और इस संदर्भ में हाल ही में भारत ने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए अपनी अर्थव्यवस्था को आकार में ब्रिटेन से भी बड़ी अर्थव्यवस्था बना लिया है। परंतु, कुछ ब्रिटिश राजनीतिज्ञ एवं पत्रकार इस तथ्य को स्वीकार ही नहीं कर पा रहे हैं और वे अपनी साम्राज्यवादी सोच से भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं। ऐसे तत्व आज भी भारत को अपनी एक कालोनी (उपनिवेश) के रूप में ही देख रहे हैं और सोच रहे हैं कि भारत कैसे ब्रिटेन से पहिले चन्द्रमा पर पहुंच सकता है। जबकि आज वस्तुस्थिति यह है कि ब्रिटेन की आर्थिक हालत इतनी अधिक खराब हो गई है कि ब्रिटेन के नागरिकों को अपने बिजली के बिल का भुगतान करने के लिए भी ऋण लेना पड़ रहा है।

पश्चिमी देशों को अब यह समझना होगा कि यह 21वीं सदी है एवं वैश्विक पटल पर भारत अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए आगे बढ़ चुका है। यह पश्चिमी देशों के हित में ही होगा कि वे भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनें एवं अपने आर्थिक हितों को भी बल प्रदान करें, इस बात को जितनी जल्दी समझें उनके लिए उतना ही अच्छा है क्योंकि अन्यथा वे स्वयं के आर्थिक हितों को नुक्सान ही पहुंचा रहे होंगे। क्या ब्रिटेन इस बात को भूल गया है कि औपनिवेशक खंडकाल में उसने भारत पर शासन के दौरान वर्ष 1765 से लेकर वर्ष 1938 तक भारत से 45 लाख करोड़ पाउंड की लूट की है (यह तथ्य एक अध्ययन प्रतिवेदन में सामने आया है), हो सकता है यह राशि और भी अधिक रही हो। परंतु, उक्त राशि भी ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का 15 गुणा है। उक्त राशि को ब्रिटेन द्वारा भारत को लौटाए जाने पर भी विचार किया जाना चाहिए। ब्रिटेन द्वारा भारत में की गई भारी लूट के बावजूद भारत एक बार पुनः अब अपने पैरों पर खड़ा हो चुका है एवं भारत को अपने मिशन चन्द्रमा ग्रह, मिशन मंगल ग्रह एवं मिशन सूर्य ग्रह पर पश्चिमी देशों के दर्शन की आवश्यकता नहीं है। भारत को वैसे भी अब अंतरिक्ष के क्षेत्र में नित नयी सफलता की कहानियां गढ़ने की आदत पड़ चुकी है, और फिर चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर चन्द्रयान-3 को सफलता पूर्वक उतारना तो एक शुरूआत भर है।

भारत का मिशन चन्द्रयान-3 तुलनात्मक रूप से बहुत किफायती रहा है। इस पूरे मिशन पर केवल लगभग 615 करोड़ रुपए की लागत आई है, जबकि अन्य देशों यथा अमेरिका, रूस एवं चीन की इस तरह के मिशनों पर हजारों करोड़ रुपए की लागत आती रही है। साथ ही, चन्द्रयान-3 ने 14 जुलाई 2023 को आन्ध्रप्रदेश के श्रीहरीकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपनी यात्रा प्रारम्भ की थी और केवल 41 दिनों के बाद, 23 अगस्त 2023 को चन्द्रयान-3 ने चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सफलता पूर्वक अपनी लैंडिंग सम्पन्न कर एक नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। इसरो ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग के लिए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव को इसलिए चुना क्योंकि सूर्य द्वारा कम प्रकाशित होने के संबंध में दक्षिणी ध्रुव को एक विशिष्ट लाभ प्राप्त है। इसरो के अध्यक्ष इस सम्बंध में कहते हैं कि चंद्रमा मिशन पर कार्य कर रहे वैज्ञानिकों ने दक्षिणी ध्रुव में बहुत रुचि दिखाई क्योंकि अंततः मनुष्य वहां जाकर उपनिवेश बनाना चाहते हैं और फिर उससे आगे की यात्रा करना चाहते हैं। इसलिए इसरो चन्द्रमा पर सबसे अच्छी जगह की तलाश कर रहा हैं और चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव में वह क्षमता है। चन्द्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर के पास दो उपकरण हैं, दोनों चंद्रमा पर मौलिक संरचना के निष्कर्षों के साथ-साथ रासायनिक संरचनाओं से संबंधित हैं। अतः यह चन्द्रमा की सतह पर चक्कर लगाकर उक्त विषयों पर जानकारी भारत को उपलब्ध कराएगा।

वैसे भी देखा जाय तो अमेरिका के अंतरिक्ष केंद्र नासा में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के इंजीनियर्स कार्यरत हैं जबकि भारत के अंतरिक्ष केंद्र इसरो में सम्भवतः एक भी अमेरिकी इंजीनियर कार्यरत नहीं है। अर्थात, पश्चिमी देशों के अंतरिक्ष से जुड़े विभिन्न मिशनों में भारतीयों का सीधा सीधा योगदान रहता आया है। भारत के इसरो प्रमुख का तो यहां तक कहना है कि आधुनिक विज्ञान की उत्पत्ति वेदों से हुई है, परंतु पश्चिमी देशों ने इसे अपनी खोज की तरह प्रस्तुत किया है। अतः इस संदर्भ में कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि अंतरिक्ष से जुड़े पश्चिमी देशों के विभिन्न मिशन अपरोक्ष रूप से भारत के सहयोग से ही चल रहे हैं जबकि इस क्षेत्र में भारत के विभिन्न मिशन अपने बलबूते पर चल रहे हैं। अब पश्चिमी देशों को इस वस्तुस्थिति से अवगत होना बहुत जरूरी है।

जन शिकायतों का हो त्वरित निस्तारणः सीएम योगी

संस्कार उजाला

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन के दौरान अधिकारियों को जन शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये। इस दौरान वह खुद एक-एक फरिदारी के पास पहुंचे और उनकी समस्या सुनी। सीएम योगी ने जनता दर्शन में आए बच्चों को भी दुलारा और उनके चॉकलेट दी। जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 200 फरियादियों की उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर किसी को आश्वस्त किया कि सबकी समस्या का निस्तारण कराना उनकी प्रतिबद्धता है। प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने आमजन को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। परेशान करने वाले को किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। किसी की जमीन पर कब्जा करने वाले और कमजोरों को परेशान करने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

संक्षिप्त डायरी

उत्तर प्रदेश में भी हो पत्रकार सुरक्षा कानून हो लागू

संस्कार उजाला

लखनऊ। आपको बताते चले जिसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है वही आज खतरे से खाली नहीं है आए दिन पत्रकारों के साथ घटनाएं घटती रहती हैं पत्रकारों की घटनाओं को देखते हुए। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा पत्रकारों के हितेषी कहे जाने वाले सुर्खियों में रहते हैं वह पत्रकारों के सुख-दुख में भागीदारी निभाना प्राथमिकता है रात हो चाहे दिन अगर 2:00 बजे रात को कोई पत्रकार उनको फोन करता है तो तत्काल इसकी समस्या को गंभीरता से संज्ञान में लेते हैं उन्होंने अपने लखनऊ कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा पत्रकार अपनी कलम के माध्यम से सच्चाई को लिखता है उसे कोई भी दबाने का प्रयास करेगा तो हमारा संगठन उसके विरोध में आवाज उठाएगा पत्रकारों का उत्पीड़न कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा पत्रकार समाज और सरकार के बीच की एक कड़ी होता है सरकार को भी पत्रकारों का ध्यान रखते हुए पत्रकार सुरक्षा कानून बिल लागू करे जिससे हमारा हर पत्रकार साथी अपने परिवार के साथ सुरक्षित रखते हुए जनता की आवाज को शासन प्रशासन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी का निष्पक्ष रुप से निर्वहन करता रहे उन्होंने कहा कि जब तक सरकार पत्रकार सुरक्षा बिल कानून उत्तर प्रदेश में नहीं लागू करेगी तब तक हमारा संघर्ष पत्रकारों के हितों में जारी रहेगा पत्रकारों के हितों की लड़ाई सदैव लड़ते रहेंगे।

त्यौहार के चलते भीड़ भाड़ वाली जगहों पर की गई एंटीरोमियों की चेकिंग

संस्कार उजाला

हापुड़। समस्त थानों की एण्टीरोमियों स्क्वाड टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, भीड़-भाड़ वाले इलाकों एवं पार्क आदि स्थानों पर मनचलों शोहदों की चेकिंग की जा रही है नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद हापुड़ में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जनपद की समस्त थानों की एण्टीरोमियों टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, गांव कस्बों, पार्कों व भीड़-भाड़ वाले इलाकों के आस-पास मनचलों एवं शोहदों की चेकिंग की गयी तथा अनावश्यक रूप से घूमने वाले संदिग्ध लड़कों युवकों से पूछताछ कर उन्हें हिदायत दी जा रही है

रक्षाबंधन पर्व पर वृक्षों को बांधी राखी

संवाददाता

धामपुर । पर्यावरण एवं जल संरक्षण गतिविधि धामपुर के द्वारा रक्षाबंधन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम "रक्षाबंधन प्रकृति वंदन" के अंतर्गत नगर के अनेक स्थानों पर एवं विद्यालयों में समाज को संदेश देते हुए वृक्षों को राखियाँ बांधकर संकल्प दिलाने का कार्यक्रम चलाया गया ।जिसमें संकल्प लिया गया कि हम इस पर्व पर एक दूसरे को बहन भाई की कलाई पर राखी बांधकर एक दूसरे की रक्षा सुरक्षा का संकल्प लेते हैं। इसी प्रकार पर्यावरण संरक्षण करते हुए पर्यावरण को बचाने के लिए वृक्षारोपण कर, उनकी सुरक्षा करना अनिवार्य है।तथा वृक्ष हमे अनेक प्रकार की औषधि देते हैं और वातावरण को दूषित होने से बचाते हैं 'वृक्ष लगाए निरोगी रहे वृक्ष हमें फल, फूल, औषधि और ऑक्सीजन के रूप में नया जीवन प्रदान करते हैं। हमें उनकी रक्षा सुरक्षा करनी चाहिए, आइए संकल्प लें "रक्षाबंधन प्रकृति वंदन" के इस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधि के कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे और सभी लोग संकल्प लेकर वृक्षों की सुरक्षा जल का संरक्षण एवं पॉलिथीन का त्याग करेंगे पर्यावरण बचाएंगे कार्यक्रमों में पराग नगर पर्यावरण जल संरक्षण संयोजक, युवराज सिंह नगर प्रचारक दीपक कुमार, जिला प्रचारक, अमित कुमार, नगर प्रचार एवं नगर के अनेक समाज सेवी और स्वयंसेवकों ने भाग लिया, पराग नगर पर्यावरण जल संरक्षण संयोजक गतिविधि धामपुर इसके अतिरिक्त ग्राम उदयपुर में वृक्ष ओपन कार्यक्रम भी किया गया जिसमें 20 छात्राओं एवं नगर प्रचारक युवराज सिंह नगर पर्यावरण जल संरक्षण संयोजक गतिविधि धामपुर पराग नगर महिला संयोजक डॉक्टर अनुपम ने वृक्षारोपण किया।

बिजनौरः स्वामी प्रसाद मौर्य का पुतला फूंका

संवाददाता

बिजनौर । ब्राह्मण समाज के लोगों ने इकट्ठा होकर जोरदार प्रदर्शन करते हुए समाजवादी पार्टी के महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य का पुतला फूंका। कलक्ट्रेट पहुंच कर राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन प्रशासन को सौंपकर ब्राह्मण समाज के खिलाफ भाषण देने और समाज में वैमनस्यता फैलाने का आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की। बिजनौर शहर में ब्राह्मण समाज के दर्जनों लोग इकट्ठा होकर जोरदार प्रदर्शन करते हुए जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए

कलेक्ट्रेट पहुंचे और राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में स्वामी प्रसाद मौर्य पर हिन्दू धर्म और ब्राह्मण समाज के खिलाफ आपत्तिजनक भाषण देने और समाज में वैमनस्यता फैलाने का आरोप लगाते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की।

कानूनी कार्रवाई नहीं होने पर ब्राह्मण समाज के लोगों ने आन्दोलन करने की चेतावनी दी। इससे पहले ब्राह्मण समाज के लोगों ने नुमाइश ग्राउंड चौराहे पर सपा महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य का पुतला फूंका। इस मौके पर विनय कुमार कौशिक, शोभित शर्मा, आशु शर्मा, प्रदीप कौशिक, रोहित कुमार, सत्यम शर्मा, विकास शर्मा आदि लोग शामिल रहे।

बिजनौर में लापता युवक का शव जंगल में मिला

संवाददाता

बिजनौर । धामपुर इलाके में कल से गायब एक युवक का शव जंगल मे मिला। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने गांव के ही रहने वाले दोस्त व अन्य पर हत्या करने का आरोप लगाया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पूरा मामला बिजनौर के धामपुर थाना क्षेत्र के औरंग शाहपुर बनवारी उर्फ नया गांव का है जहां के रहने वाले 25 वर्षीय

आजम अली पुत्र अकबर का शव गांव के पश्चिम दिशा में चक रोड के पास पड़ा मिला।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई। मृतक के पिता अकबर ने गांव के ही रहने वाले लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पिता का कहना है कि बीती देर सायं गांव का संजय कुमार नामक युवक उसके बेटे को घर से बुलाकर ले गया था। जब काफी समय तक आजम अली नहीं आया फोन किया पहले तो आजम के फोन पर कॉल जाती रही लेकिन कुछ देर बाद कॉल जानी बंद हो गई। सुबह उसका शव गांव के पास खेत में पड़ा मिला। बताया जा रहा है कि मृतक युवक की दो माह बाद शादी होने वाली थी। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस मामले में एसपी पूर्वी धर्म सिंह मर्छाल का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वकीलों पर हुए लाठी चार्ज के विरोध में डीएम, एएसपी हापुड़ से मिले कांग्रेसी

संस्कार उजाला

हापुड़। मंगलवार को पुलिस द्वारा वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस के प्रदेश महासचिव डॉ संजीव शर्मा की अगुवाई में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने डीएम प्रेरणा शर्मा से मुलाकात की। कांग्रेस जनों ने वकीलों पर हुए लाठीचार्ज की निंदा की और जल्द से जल्द दोषियों पर कार्रवाई व विवाद को शांतिपूर्ण तरीके से खत्म किए जाने की मांग की, जिससे पुलिसकर्मियों और वकीलों के बीच सौहार्द्र बना रहे। इसके बाद कांग्रेस जनों ने एएसपी हापुड़ मुकेश चंद मिश्रा से मुलाकात की। इससे पहले प्रतिनिधि मंडल ने लाठीचार्ज में घायल हुए वकीलों से भी मिलकर उनका हालचाल जाना। डॉ संजीव शर्मा ने कहा कि पुलिस द्वारा महिला वकील पर मुकदमा दर्ज किए जाने के विरोध में हापुड़ में वकील धरना दे रहे थे, उनपर लाठीचार्ज करना बहुत ही निंदनीय है। जिलाध्यक्ष मिथुन त्यागी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मामले का संज्ञान लिया पीड़ित वकील से फोन पर वार्ता भी करी थी व घायल वकीलों को आश्वस्त किया कांग्रेस पार्टी आपके साथ है कांग्रेस संगठन वकीलों के साथ खड़ा है। शहर अध्यक्ष अभिषेक गोयल ने कहा कि पुलिस द्वारा जिस बर्बरता से लाठीचार्ज किया गया और महिला वकीलों को भी निशाना बनाया गया निंदनीय हैं कांग्रेस संगठन इस मामले में हापुड़ बार एसोसिएशन के साथ खड़ा है। इस मौके पर प्रदेश सचिव डॉ शोएब, नरेश भाटी पीसीसी, मानवी सिंह, राज गुर्जर, जावेद चौधरी, विकास त्यागी, ओमदत्त त्यागी,मुकेश कौशिक, अंकित शर्मा,नरेश कर्दम, रघुबीर सिंह,राकेश त्यागी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभाथीर्यो से सजीव संवाद कार्यक्रम का आयोजन

संस्कार उजाला

हापुड़ । 30 अगस्त को मा मुख्यमंत्री जी उ०प्र० शासन द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभाथीर्यों से सजीव संवाद कार्यक्रम का आयोजन जनपद स्थर पर जिलाधिकारी महोदया हापुड़ की अध्यक्षता में किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभाथीर्यों को डी०बी०टी० के माध्यम से धनराशि का अन्तरण मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया। जनपद स्तर पर उपस्थित लाभाथीर्यों द्वारा, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, हापुड़ एवं जिला सूचना अधिकारी हापुड़ को रक्षा सूत्र बाधा गया। जिसके उपरान्त जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाधिकारी हापुड़, मुख्य चिकित्साधिकारी, हापुड, जिला प्रोबेशन अधिकारी हापुड़ एवं जिला सूचना अधिकारी हापुड़ द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभाथीर्यों को मिठाई, फूड पैकीट व राखी का वितरण किया गया।

सीएम योगी ने माता पीतांबरा के किए दर्शन, महाभारत कालीन वनखंडेश्वर महादेव पर किया जलाभिषेक

दतिया । सीएम योगी झांसी में तमाम सारी विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद यहां से सीधा मध्य प्रदेश के दतिया स्थित मां पीतांबरा पीठ पहुंचे और वहां पर विशेष पूजा अर्चना की। उन्होंने यहां महाभारत कालीन वनखंडेश्वर महादेव पर जलाभिषेक भी किया। इस दौरान पुलिस-प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था चौकस रही। यह कार्यक्रम पूरी तरह से निजी कार्यक्रम रहा, जिसमे सीएम के साथ कुछ ही खास अधिकारीगण उपस्थित थे। इससे पहले सीएम योगी मई 2022 में भी यहां आ चुके हैं। मां पीतांबरा शत्रु नाश की अधिष्ठात्री देवी है। दतिया में स्थित मां पीतांबरा सिद्धपीठ की स्थापना साल 1935 में हुई थी। यहां पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी, अटल

बिहारी वाजपेयी और फिर राजमाता विजयाराजे सिंधिया तक, सबने माता का आशीर्वाद प्राप्त किया है। ऐसा माना जाता है कि इस स्थान पर आने वाले की मुराद जरूर पूरी होती है। उन्हें राजसत्ता का सुख जरूर मिलता है। वहीं मंदिर प्रांगण में स्थित वनखंडेश्वर महादेव शिवलिंग को महाभारत काल का बताया जाता है।

भाई-बहन के पर्व रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

भारत ने चीन के कथित मानक मानचित्र को खारिज किया

नयी दिल्ली। भारत ने चीन द्वारा जारी तथाकथित 2023 'मानक मानचित्र' में अक्साई चिन और अरुणाचल प्रदेश शामिल किए जाने पर चीन सरकार से कड़ा विरोध व्यक्त किया है। चीन के इस तथाकथित मानचित्र के बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, 'हमने आज चीन के उस तथाकथित 2023 'मानक मानचित्र' पर चीनी पक्ष के साथ राजनयिक चैनलों के माध्यम से कड़ा विरोध दर्ज कराया है जो भारत के क्षेत्र पर दावा करता है।

श्री बागची ने कहा,' हम इन दावों को खारिज करते हैं क्योंकि इनका कोई आधार नहीं है। चीनी पक्ष के ऐसे कदम केवल सीमा प्रश्न के समाधान को जटिल बनाते हैं।' चीन ने जिस तथाकथित मानक मानचित्र को जारी किया है, उसमें अक्साई चिन और पूरे अरुणाचल प्रदेश को चीन के अंग के रूप में दर्शाया गया है। जी 20 शिखर-सम्मेलन के ठीक पहले इस प्रकार के कदम को चीन के आक्रामक रुख के रूप में देखा जा रहा है। इससे यह संकेत भी मिलता है कि पूर्वी लद्दाख में सैन्य तनाव घटाने के प्रयासों में चीन के असहयोग के कारण कामयाबी हासिल करना दूर की बात है।

नीति आयोग ने एसडीजी पर किया समझौता ज्ञापन

नई दिल्ली। नीति आयोग ने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की दिशा में तेजी लाने के लिए यूएनडीपी इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी बी. वी. आर. सुब्रह्मण्यम की उपस्थिति में नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार (एसडीजी) डॉ योगेश सूरी और यूएनडीपी इंडिया की स्थानीय प्रतिनिधि शोको नोडा ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य एसडीजी स्थानीयकरण, आंकड़ा-संचालित निगरानी, आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों सहित कई क्षेत्रों में सहयोग की रूपरेखा को औपचारिक रूप देना है। इस अवसर पर श्री सुब्रह्मण्यम ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, नीति आयोग और यूएनडीपी का सहयोग लगातार मजबूत हुआ है। जिलों से आगे ब्लॉक स्तर तक निगरानी के साथ इस साझेदारी से आंकड़ा-संचालित नीतिगत कार्य को बढ़ावा मिलेगा।

सुश्री नोडा ने कहा कि भारत ने वर्ष 2015-2016 और वर्ष 2019-2021 के बीच गरीबी को लगभग आधा कर दिया जो यह दर्शाता है कि जटिल चुनौतियों के बावजूद, लक्ष्यों की दिशा में तेजी लाना संभव है। इस समझौता ज्ञापन पर पांच साल की अवधि के लिए हस्ताक्षर किए गए हैं।

मनजिंदर सिंह सिरसा बने भाजपा के राष्ट्रीय सचिव

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के पूर्व प्रमुख मनजिंदर सिंह सिरसा को मंगलवार को पार्टी का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त करने की घोषणा की। भाजपा महासचिव अरुण सिंह की ओर जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने श्री सिरसा को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है।

सी टू-प्लस आईवीएल कैथेटर तकनीक के प्रयोग से बची महिला की जान

नई दिल्ली। शत प्रतिशत हृदय धमनी अवरोध से पीड़ित एक महिला का जीवन लगभग 40 मिनट तक सीपीआर देने के बाद बिना स्टेंट या बैलूनिंग के नवीनतम टू- प्लस आईवीएल कैथेटर तकनीक के प्रयोग से बचा लिया गया है।निजी क्षेत्र के पारस हेल्थ गुरुग्राम अस्पताल के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के निदेशक एवं यूनिट प्रमुख डॉ. अमित भूषण शर्मा ने मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 58 वर्षीय महिला उच्च शर्करा - मधुमेह और उच्च रकतचाप से पीड़ित थी। इसका कारण हृदय की धमनी 100 प्रतिशत अवरोधित थी। सामान्य तौर पर धमनी में वसा की परत जम जाती है लेकिन इस मामले में मधुमेह के धमनी में कैल्सियम की परत जम गयी थी। इसलिए धमनी में स्टेंट या बैलूनिंग तकनीक का प्रयोग संभव नहीं था। स्थिति को देखते हुए नवीनतम ÷ सी 2 प्लस आईवीएल कैथेटर' तकनीक प्रयोग करने का फैसला किया। इस तकनीक में लेजर किरणों से धमनी में जमे कैल्सियम की परत को तोड़ा जाता है और रक्त के लिए मार्ग बनाया जाता है।

मेहमानों के आने-जाने वाले रास्तों की सूरत बदलेगी, होर्डिंग से ढकेंगे टूटी रेलिंग और जर्जर इमारतें

नई दिल्ली जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान मेहमानों के आवागमन वाले मार्गों और उनके ठहरने के लिए तय किए गए होटलों व आयोजन स्थलों के आसपास विभिन्न परिसरों की टूटी दीवार, रेलिंग, जर्जर बिल्डिंग और दिल्ली की खूबसूरती पर लगे दाग दिखाई नहीं देंगे। इसी तरह उनके आवागमन वाले मार्गों और होटलों व आयोजन स्थल के आसपास मलबा, कबाड़, कूड़ा आदि सामान भी पड़ा हुआ दिखाई नहीं देगा। सजाने-संवारने से वंचित रहने वाले स्थानों को होर्डिंग लगाकर छिपाया जाएगा। जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों के सिलसिले में उपराज्यपाल वीके सक्सेना कई दिन से नई दिल्ली इलाके में मेहमानों के आवागमन वाले रास्तों के साथ-साथ उनके ठहरने के लिए तय किए गए होटलों और सम्मेलन के आयोजन स्थल के आसपास के इलाकों का निरीक्षण कर रहे हैं। इस दौरान कई सड़कों पर विभिन्न परिसरों की दीवार व रेलिंग टूटी मिली। कई बिल्डिंग भी जर्जर हालत में दिखाई दीं, जबकि आयोजन के पास भैरों रोड के मध्य खाली पड़े क्षेत्र में भी मलबा व कबाड़ पड़ा हुआ था। उपराज्यपाल ने टूटी दीवारों व रेलिंग और जर्जर बिल्डिंगों को सही करने के संबंध में निर्देश दिए, वहीं भैरों रोड के मध्य खाली क्षेत्र को विकसित करने का आदेश दिया।

इस मौके पर एनडीएमसी व पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने बताया कि टूटी पड़ी दीवारें व रेलिंग और जर्जर बिल्डिंग उनके अधीन नहीं हैं। इस कारण एक ओर वह उनको सही नहीं कर सकते हैं, दूसरी ओर उनको सही करने में काफी समय लगेगा। भैरों मार्ग के मध्य खाली इलाके को भी विकसित करने में हाथ खड़े कर दिए।

बंदरों को रोकने के लिए भी लगेंगे होर्डिंग

एनडीएमसी ने बंदरों की समस्या से निपटने के लिए भी होर्डिंग का सहारा लेने का निर्णय लिया है। सरदार पटेल मार्ग पर रिज एरिया की ओर होर्डिंग लगाए जाएंगे। दरअसल इस रोड पर कई होटल हैं। रिज रोड की ओर से सरदार पटेल मार्ग पर बंदर आते रहते हैं। ऊंचे होर्डिंग लगने से बंदरों का उनके ऊपर से आना आसान नहीं होगा।

भारत मंडपम के सामने लगेगी नटराज की अष्टधातु प्रतिमा

जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए तैयार प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम के सामने भगवान शिव के नटराज स्वरूप की अष्टधातु की प्रतिमा विराजेगी। अपनी तरह की सबसे विशाल प्रतिमा का निर्माण तमिलनाडु के शिल्पकारों ने किया है। 27 फीट ऊंची और 21 फीट चौड़ी प्रतिमा तैयार करने के लिए 9वीं से 12वीं सदी की तकनीक का प्रयोग किया गया है। भारत मंडपम के मुख्य गेट के सामने इस 15,500 किलो की प्रतिमा को छह फीट के आसन पर स्थापित किया जाना है। यह पानी के बीच में स्थापित होगी। तमिलनाडु से यह प्रतिमा मंगलवार को सड़क मार्ग से साढ़े चार दिन में भारत मंडपम पहुंच गई।

आगरा से नोएडा एक्सप्रेसवे से होते दिल्ली पहुंची : तमिलनाडु से दिल्ली तक करीब 2500 किलोमीटर का सफर साढ़े चार दिनों में तय हुआ है। इसके लिए सभी राज्यों में ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। प्रतिमा तमिलनाडु के विभिन्न राज्यों से होते हुए आगरा, यमुना एक्सप्रेसवे, नोएडा, डीएनडी से होते हुए प्रगति मैदान के गेट नंबर छह से भारत मंडपम तक पहुंचाई गई है। तमिलनाडु से शिल्पकार प्रतिमा के साथ ही पहुंचे हैं। प्रतिमा को श्रीकांत सतपति और उनके भाई राधाकृष्णा सतपति ने तैयार किया है।

उपराज्यपाल ने कल समीक्षा बैठक बुलाई

जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। कुछ जगहों पर कुछ काम बाकी हैं जिसे एक-दो दिन में पूरा कर लिया जाएगा। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 31 अगस्त को इन कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक बुलाई है। बता दें कि उपराज्यपाल ने सभी संबंधित विभागों-एजेंसियों के प्रतिनिधियों और एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की अध्यक्षता में जिलास्तरीय निगरानी समितियों का गठन किया है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि जमीनी स्तर पर सभी कार्य संबंधित एजेंसियों द्वारा पूरे किए जा सकें। अब तक इन समितियों की पांच बैठकें हो चुकी हैं। ब्यूरो

जी-20 पार्क में सदस्य देशों के झंडे बने आकर्षण का केंद्र

ग्रेटर कैलाश में एमसीडी ने जी-20 शिखर सम्मेलन को समर्पित एक हरा-भरा पार्क बनाया है, जिसमें सदस्य देशों के लोगो और उनके झंडे लगाए गए हैं। गोल चबूतरे पर 20 स्तंभों के ऊपर सदस्य राष्ट्रों के झंडे लगाए गए हैं। ग्रेटर कैलाश क्षेत्र के विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि शिखर सम्मेलन में आने वाले राष्ट्राध्यक्षों और अन्य प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा। इसके लिए एमसीडी ने ग्रेटर कैलाश-2 में एम ब्लॉक मार्केट के सामने जी-20 पार्क तैयार किया है। पार्क में एक अर्ध वृत्ताकार चबूतरे पर सदस्य देशों के झंडे लगाए गए हैं। कंकरीट के चबूतरे पर लकड़ी के स्तंभ खड़े किए गए हैं, जिस पर झंडे लगाए गए हैं। इसे एक खास गॉथिक डिजाइन दिया गया है, जोकि स्थानीय लोगों के आकर्षण का केंद्र बना है। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले इस पार्क को एक ग्रीक एम्फीथिएटर का स्वरूप देने की तैयारी थी। इस परियोजना को दो कलाकारों और 10 मजदूरों ने कुछ महीनों में पूरा किया है। इसके बगीचे में डिजाइनर बागवानी, जिसमें विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए हैं।

'केजरीवाल हों विपक्ष के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार', इंडिया की मुंबई बैठक से पहले आप ने रखी ये मांग

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन की दो दिवसीय बैठक 31 अगस्त से मुंबई में शुरू होगी। इंडिया गठबंधन की यह तीसरी बैठक है। गठबंधन के लोगो का अनावरण एक सितंबर को किया जाएगा। बैठक से पहले आम आदमी पार्टी ने अरविंद केजरीवाल को पीएम पद का उम्मीदवार बनाने की मांग रखी है।

आम आदमी पार्टी की मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि अगर आप मुझसे पूछें तो मैं चाहूंगी कि अरविंद केजरीवाल प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनें। इतनी कमरतोड़ महंगाई में भी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महंगाई सबसे कम है।उन्होंने कहा कि मुफ्त पानी, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थ यात्रा, फिर भी सरप्लस बजट पेश किया गया है। वह लोगों के मुद्दे उठाते हैं और एक चुनौतीकर्ता के रूप में उभरते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि पटना और बेंगलुरु में इंडिया गठबंधन की बैठकों के बाद एलपीजी की कीमतों में 200 रुपये की कटौती की गई। मुझे यकीन है कि मुंबई बैठक के बाद पेट्रोल और डीजल की दरें कम हो जाएंगी।

आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल राय ने भी विपक्ष की बैठक से पहले मीडिया में बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आप चाहती है कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पीएम पद के उम्मीदवार बनें। इंडिया गठबंधन ही पीएम उम्मीदवार तय करेगा।

धनखड़ ने दी रक्षा बंधन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी हैं। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर श्री धनखड़ ने यहां जारी एक संदेश में कहा कि रक्षाबंधन का उत्सव प्यार के उस खूबसूरत बंधन का प्रतीक है जो भाइयों और बहनों को बांधता है, और उन्हें आपसी विश्वास और अटूट प्रतिबद्धता में एक साथ रखता है।उन्होंने कहा, रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर, मैं सभी भारतीयों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। इस रक्षा बंधन पर, आइए हम अपनी 'नारी शक्ति' के साथ खड़े होने का संकल्प लें क्योंकि वे भारत को और अधिक गौरव पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह त्योहार हमारे जीवन में खुशियां और खुशियां बढ़ाए।

दिल्ली में गोलीबारी: अमेजन के सीनियर मैनेजर की हत्या, एक घायल, आधी रात को पांच युवकों ने बरसाईं गोलियां

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। दिल्ली का भजनपुरा इलाका मंगलवार देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्रा गया। पांच बदमाशों ने दो लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। गोली लगने से अमेजन कंपनी के सीनियर मैनेजर की मौत हो गई, जबकि दूसरा शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

0घटना भजनपुरा के गली नंबर 8 के पास हुई है। जानकारी के अनुसार, देर रात हरप्रीत गिल (36) पुत्र करनैल सिंह निवासी सी-35, गली नंबर 1, भजनपुरा और गोविंद सिंह (32) पुत्र बसंत सिंह निवासी सी-35, गली नंबर 1. भजनपुरा बाइक पर गली नंबर 8 के पास थे, इसी दौरान एक स्कूटी और एक बाइक पर सवार पांच लड़कों ने उन्हें रोक लिया। हमलावरों ने उन पर गोलियां बरसा दीं और मौके से भाग गए। घायलों को आनन-फानन अस्पताल ले जाया गया। यहां हरप्रीत गिल को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हरप्रीत गिल अमेजन में सीनियर मैनेजर था। जबकि गोविंद सिंह को गंभीर हालत में एलएनजेपी रेफर किया गया है। गोविंद सिंह हंग्री बर्ड के नाम से मोमो की दुकान चलाता है। फिलहाल पुलिस इलाके के सीसीटीवी खंगाल रही है। साथ ही अपराधियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। गोलीबारी की घटना के पीछे की असली वजह का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी है।

ईपीएस- पेंशन में वेतन सीमा व न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग की बीएमएस ने

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की ईपीएस -95 योजना में अंशदान के लिए वेतन सीमा 30 हजार रुपए प्रति माह तथा योजना के अंतर्गत न्यूनतम पेंशन पांच हजार रुपए प्रतिमाह करने की मांग की है।

बीएमएस के महामंत्री रविंद्र हिम्टे ने बुधवार को यहां बताया कि श्रम, कपड़ा और कौशल विकास से संबंधित मामलों की संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष से कल देर शाम मजदूर संघ के एक प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने स्थायी समिति को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, ईपीएस- 95 पेंशन योजना और ईपीएफ कोष प्रबंधन के बारे में सलाह और सिफारिश से दी गई।

ज्ञापन में बीएमएस ने कहा है कि ईपीएफओ के दायरे में देश के समस्त उद्योग धंधों को लाया जाना चाहिए और कर्मचारियों की संख्या सीमा 20 से घटकर 10 कर देनी चाहिए। विभिन्न राज्यों में पुलिस बलों की सहायता के लिए होमगार्ड जवानों और केंद्रीय योजनाओं में काम करने वाली आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा घरेलू कामगार और गिग कर्मचारियों को भी ईपीएफओ के दायरे में लाने की मांग की गई? है।

ज्ञापन में कहा गया है कि ईपीएस पेंशन योजना में वेतन की मौजूदा सीमा को 15 हजार रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 30 रुपए प्रतिमाह कर देना चाहिए। इसी तरह ईपीएस? पेंशन योजना के अंतर्गत न्यूनतम पेंशन एक हजार रुपए प्रतिमाह से बढ़ाकर पांच हजार रुपए प्रतिमाह होनी चाहिए और सभी पेंशन धारकों को स्वास्थ्य बीमा योजना में शामिल किया जाना चाहिए। ईपीएस- 95 पेंशन को मुद्रास्फीति के सूचकांक से जोड़ा जाना चाहिए। विधवा पेंशन की राशि भी बढ़ाई जानी चाहिए।

बीएमएस ने कहा कि केंद्र सरकार और कई राज्यों ने न्यूनतम वेतन सीमा बढ़ा दी है इसलिए ईपीएस- 95? योजना में भी वेतन सीमा बढ़ाई जानी चाहिए। ईपीएफ से संबंधित मामलों के जल्दी निपटारा करने की मांग करते हुए बीएमएस ने कहा कि ईपीएफओ के जिला कार्यालयों को मजबूत बनाया जाना चाहिए। कर्मचारियों के दावों का निपटारा क्षेत्रीय कार्यालय में होता है। यह अधिकार जिला कार्यालय को दिया जाना चाहिए। क्षेत्रीय कार्यालय में सामान्य तौर पर 8 से 10 लाख कर्मचारी संबद्ध हैं। इसे घटाकर तीन से चार लाख कर्मचारी किया जाना चाहिए। इससे कर्मचारियों की शिकायत और दावों का निपटारा जल्दी होगा और प्रबंधन में आसानी होगी।

ब्राजील के सैन्य कमांडर जनरल भारत की छह दिन की यात्रा पर, जनरल पांडे से मिले

नई दिल्ली। ब्राज़ील की सेना के कमांडर जनरल टॉमस मिगुएल माइन रिबेरो पाइवा का मंगलवार को यहां पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया गया और उन्होंने थल सेना के प्रमुख जनरल मनोज पांडे के साथ बैठक की।रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार जनरल टॉमस 28 अगस्त से 2 सितंबर तक भारत की छह दिवसीय यात्रा पर हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि उनकी यह यात्रा 'भारत और ब्राज़ील के सशस्त्र बलों के बीच दीर्घकालिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

उनकी यात्रा की औपचारिक शुरुआत मंगलवार को यहां राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के साथ हुई। वहां जनरल टॉमस ने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान करने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उसके बाद, नयी दिल्ली के साउथ ब्लॉक लॉन में जनरल टॉमस को एक औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया गया, जिसके बाद उन्होंने थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे से मुलाकात की। उन्होंने उन्होंने दोनों देशों के सेनाओं के बीच द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने से संबंधित मुद्दों के अलावा सैन्य स्तर पर द्विपक्षीय दृष्टि से अन्य महत्वपूर्ण पर भी चर्चा की।

जनरल टॉमस ने बाद में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और रक्षा सचिव गिरिधर अरामने से भी बातचीत की और सेना मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में भी शामिल हुए, जिसमें सूचना और विचारों का आदान-प्रदान किया गया । जनरल टॉमस भारत प्रवास के दौरान राजस्थान में पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में विभिन्न हथियार प्लेटफार्मों की युद्धाभ्यास और फायरिंग को देखने वाले हैं।उनके लिए स्वदेशी हथियार प्रणालियों सहित भारतीय सेना के पास मौजूद हथियार प्रणालियों की फायरिंग क्षमताओं का प्रदर्शन किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि जनरल टॉमस की यह यात्रा दोनों देशों के बीच न केवल सैन्य सहयोग को मजबूत करती है बल्कि सहयोगात्मक सुरक्षा प्रयासों, वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करती है।

भारत के पहले सूर्य मिशन 'आदित्य-एल1' के लिए पूरी तरह तैयार है इसरो: डॉ. सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) भारत के पहले सूर्य मिशन 'आदित्य-एल1' के लिए पूरी तरह तैयार है।'आदित्य-एल1' का प्रक्षेपण 02 सितंबर को होने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित करते हुए, डॉ. सिंह ने कहा कि पूरी दुनिया भारत के चंद्रयान मिशन का जश्न मना रही है और अब सूर्य मिशन में भी लोगों की रुचि कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को अतीत की बेड़ियों से मुक्त करने का ऐसा साहसी निर्णय लेने की पहल नहीं की होती, तो यह सब संभव ही नहीं होता। आज चार वर्ष की छोटी सी अवधि के भीतर ही इसरो के वित्तीय संसाधनों में वृद्धि होने के साथ ही स्टार्ट-अप्स की संख्या 4 से बढ़कर 150 हो गई है और भारत की उपग्रह प्रक्षेपण सुविधा की विश्वसनीयता अचानक इतनी बढ़ गई है कि अब तक यूरोपीय उपग्रहों के प्रक्षेपण से भारत ने 26 करोड़ यूरो से अधिक की कमाई की है। वहीं अमेरिकी उपग्रह के प्रक्षेपण से भारत ने 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की कमाई की है।

सेना की क्षमता बढ़ाएगा प्रीडेटर ड्रोन, नौसेना प्रमुख आर हरि कुमार बोले- यह 33 घंटे तक उड़ान भरने में सक्षम

नई दिल्ली आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को भ्रष्टाचार खत्म करने का साधन कहते हैं वह एक्सटार्शन विभाग बन गई है।

आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि पिछले एक साल से ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा तथाकथित शराब घोटाले की जांच की जा रही है। यह पूरी तरह से एक मनगढ़ंत घोटाला है। इसमें कोई घोटाला ही नहीं हुआ है, फिर भी जांच चल रही है। इस मामले में ईडी बार-बार अपना बयान भी बदल रही है। कभी 100 करोड़ रुपए का घोटाला बताती है तो कभी एक हजार करोड़ का बताती है। आम आदमी पार्टी ने कई बार ईडी के असल चेहरे को बेनकाब भी किया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सबसे प्रिय संस्था ईडी अब एक्सटार्शन डिपार्टमेंट बन गई है। अब ईडी धन उगाही का डिपार्टमेंट बन गई है। ईडी का असिस्टेंट डायरेक्टर सात लोगों के साथ पांच करोड़ रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। यह रिश्वत तथाकथित दिल्ली शराब घोटाला मामले में आरोपी अमन ढल को बचाने के नाम पर उसके पिता से ली गई है। पिछले एक साल से ईडी यही कर रही है। तथाकथित घोटाले की जांच के नाम पर मनीष सिसोदिया समेत अन्य को गिरफ्तार कर जेल में डाला जाता है और हर दिन झूठ खबरें फैलाई जाती है। मोदी सरकार के आने के बाद ईडी ने यह सिलसिला पूरे देश में चला रखा है। पिछले नौ वर्षों में ईडी ने तीन हजार छापेमारी की है और मात्र 23 लोगों पर ही आरोप सिद्ध कर पाई है।

आप नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, गोवा, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, पंजाब समेत पूरे देश में विधायकों को तोड़ने के लिए एक्सटार्शन डिपार्टमेंट ईडी बना रखा है। ईडी को पूरे देश में गुंडागर्दी का लाइसेंस दे रखा है। सर्वोच्च न्यायलय से अनुरोध है कि ईडी डिपार्टमेंट को बंद किया जाए।उन्होंने कहा कि तथाकथित शराब घोटाले की जांच को कूड़ेदान में डाल देना चाहिए। धन उगाही का काम कर रहे ईडी के सभी अधिकारियों को पकड़कर जेल में डालना चाहिए। यह बहुत ही शर्म की बात है कि प्रधानमंत्री ने ऐसी संस्था बना दी है, जो पूरे देश में विधायकों को तोड़ने-खरीदने, उगाही करने, भ्रष्टाचार करने का काम कर रही है। सर्वोच्च न्यायलय इस घटना का संज्ञान ले।

संस्कार उजाला

ट्विन टावर की जमीन को लेकर नया विवाद

पौधरोपण करने पर प्राधिकरण ने भेजा नोटिस, जवाब मिला सुपर टेक नहीं आरडब्ल्यू का है हक

संवाददाता

नोएडा । सेक्टर-93ए सुपरटेक एमराल्ड में जिस जमीन पर ट्विन टावर बने थे उसको लेकर नया विवाद सामने आया है। प्राधिकरण दस्तावेजों के अनुसार ये जमीन सुपर टेक लिमिटेड की है। जबकि सोसाइटी वासियों ने जमीन को अपना बताते हुए वहां पौधरोपण किया और उसे विजय पथ तक बना दिया। प्राधिकरण ने इस मामले में एमराल्ड कोर्ट ऑनर्स रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को नोटिस भेजा है।

इस नोटिस में साफ है कि प्राधिकरण की ओर से लीज पर दी गई भूमि पर किसी भी प्रकार का निर्माण, विकास कार्य शुरू करने से पहले नियम के अनुसार प्राधिकरण की अनुमति लेनी चाहिए। इस भूमि को सुपर टेक लिमिटेड की ओर से हैंड ओवर नहीं किया गया है। इस पर किसी भी प्रकार का निर्माण विकास कार्य जिसमें पौधरोपण तक शामिल है नहीं किया जा सकता है। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक देवेंद्र निगम ने बताया, सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार सोसाइटी में बने ट्विन टावर को 28 अगस्त 2022 को ध्वस्त किया गया।

इसके बाद मलबा हटा दिया गया। खाली जमीन 5 मई 2023 को सुपर टेक लिमिटेड को हैंड ओवर कर दी गई। 8 अगस्त 2023 को सुपर टेक ने प्राधिकरण को अवगत कराया कि जिस भूमि पर ट्विन टावर था उसका मालिकाना हक सुपर टेक लिमिटेड के पक्ष में है। वर्तमान में कॉर्पोरेट इंसाल्वेंसी प्रोसेस में है। इस भूमि को ECORWA के हैंड ओवर नहीं किया गया है। सुपरटेक लिमिटेड ने ये भी कहा, NCLT ने अपने आदेश 25 मार्च 2022 को कॉर्पोरेट इंसाल्वेंसी प्रक्रिया शुरू किया गया। इसके बाद भी 13 अगस्त 2023 को सोसाइटी वासियों ने यहां पौधरोपण का कार्य शुरू किया गया।

प्राधिकरण ने सुपरटेक लिमिटेड के पत्र का संज्ञान लेते हुए एमराल्ड कोर्ट के RWA को नोटिस जारी किया। इस मामले में एमराल्ड कोर्ट ऑनर्स रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट यूबीएस तेवतियां ने बताया, ये जमीन सोसाइटी आरडब्ल्यूए की है। ये कॉमन एरिया की है। हम इसे पार्क में तब्दील करेंगे। बिल्डर ने सोसाइटी हैंडओवर कर दी है। अब इस जमीन का उससे कोई मतलब नहीं है। अगर जमीन पर स्ट्रक्चर का निर्माण किया जाएगा तो प्राधिकरण से अनुमति ली जाएगी।

डॉक्टर के मोबाइल में मिला बच्ची का आपत्तिजनक कंटेंट

संवाददाता

नोएडा । एक नामी एक डॉक्टर पर गंभीर आरोप लगे है। पीड़ित ने थाना सेक्टर-20 पुलिस से शिकायत की इलाज के दौरान उनकी बच्ची का आपत्तिजनक कंटेंट उन्होंने अपने मोबाइल में लिया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर सेल ने मामले की जांच करते हुए मोबाइल डेटा को खंगाला। जिसमें बच्ची का आपत्तिजनक कंटेंट उन्हें मिला। पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। नोएडा के सेक्टर-30 में डॉक्टर गुरदीप सिंह रहते है। वो पेशे से साइकेट्रिस्ट (मनो रोग विशेषज्ञ) है। वो ऑनलाइन की मरीजों को देखते है। नोएडा में उनका काफी नाम भी है और उनके मरीज भी हाइप्रोफाइल ही है। हाल ही में एक परिवार ने अपनी बच्ची का इलाज के लिए उनसे संपर्क किया। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि डॉक्टर ने इलाज के दौरान ही बच्ची का आपत्ति जनक कंटेंट अपने पास रख लिया। ये जानकारी पीड़ित परिवार को पता चली। जिसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। बताया गया कि डॉक्टर के मोबाइल में और भी कंटेंट हो सकते है जिसको डिलीट किया गया हो। इसलिए साइबर सेल पूरे मामले की जांच कर रहा है। फिलहाल पुलिस ने डॉक्टर गुरदीप को उनके आवास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले की जांच कर रही है।

चेन लूट में वांछित अल्ताफ राजा गैंग के एक और बदमाश की पुलिस से मुठभेड़

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में महिलाओं के साथ चेन लूटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इसी बीच मंगलवार को पुलिस और एक चेन लुटेरे के बीच मुठभेड़ हो गई। जिसमें एक लुटेरे को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि बिसरख पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार एक व्यक्ति को रोकने का इशारा किया गया। लेकिन, आरोपी बाइक मोड़कर भागने लगा। जब पुलिस ने उसका पीछा किया तो आरोपी ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हो गया। उसकी शिनाख्त ब्रहमदत्त उर्फ कमल के रूप में की गई है। 26 साल का शातिर दिल्ली के नंदनगरी का रहने वाला है। उसके पास से अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस, मोटरसाइकिल जब्त की गई है।

गैंगस्टर की कार्रवाई में 5 करोड़ की संपत्ति कुर्क, 13 बदमाश जिला बदर

संवाददाता

नोएडा । गौतमबुद्धनगर में बढ़ते अपराध पर लगाम लगाने को लेकर अपराधियों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब, पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में एक अपराधी की करीब 5 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने के आदेश जारी किए हैं। जबकि, 13 अन्य बदमाशों को जिला बदर घोषित किया गया है। पुलिस आयुक्त न्यायालय गौतमबुद्धनगर ने गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के तहत दादरी के योगेश डाबरा की अवैध रुप से अर्जित संपत्ति को कुर्क करने के आदेश पारित किए हैं। संपत्ति में 36 दुकानें हैं। इसकी कुल अचल संपति करीब 5,00,40,075 रुपये को कुर्क करने के आदेश पारित किए गए हैं।

नोएडा पुलिस ने 2660 फर्जी कंपनी बनाने के तीन आरोपियों के दिल्ली स्थित आवास पर मुनादी की, चिपकाया नोटिस

संवाददाता

नोएडा । 15,000 करोड़ के जीएसटी गड़बड़ी मामले में फर्जी तरीके से 2660 कंपनियां बनाने वाले तीन लोगों के दिल्ली स्थित आवास पर नोएडा पुलिस ने मुनादी की और नोटिस भी चिपकाए हैं। नोएडा पुलिस ने बताया है कि इनकी सूचना देने वाले को 25,000 का इनाम दिया जाएगा। इन्होंने फर्जी तरीके से 2660 कंपनियों का रजिस्ट्रेशन कराकर सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान पहुंचाया है। तीनों आरोपी नोएडा के थाना सेक्टर-20 के वांछित हैं। दरअसल, इस गैंग ने मिलकर करीब 15,000 करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा किया है। इसमें फर्जी जीएसटी कंपनियों का सहारा लिया है। मामले में पुलिस ने शुरूआत में 8 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद गिरफ्तारी का सिलसिला बढ़ता गया। अब तक करीब 20 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस गैंग में शामिल अंचित गोयल, प्रदीप गोयल, अर्जित गोयल फरार हैं। तीनों दिल्ली के रहने वाले हैं। इनकी गिरफ्तारी को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नोएडा पुलिस ने 1 जून को 2660 फर्जी कंपनी बनाकर जीएसटी में रजिस्ट्रेशन कराकर 15,000 करोड़ से अधिक का फ्रॉड करने वाले एक अंतरराज्यीय रैकेट का खुलासा किया था। जालसाजों ने पांच साल से फर्जी फर्म बनाकर जीएसटी रिफंड आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) प्राप्त करके सरकार को हजारों करोड़ का चूना लगाया था।

कुवैत और दुबई में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी

संवाददाता

नोएडा। पूर्वांचल के गांव के लोगों को दुबई और कुवैत में नौकरी दिलाने के नाम ठगी करने वाले दो आरोपियों को थाना फेज-1 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये लोग अब तक कई बेरोजगार लोगों को ठगी का शिकार बना चुके है। पुलिस ने इनके पास से 22 पासपोर्ट और फर्जी वीजा दस्तावेज के अलावा काफी सामान बरामद किया है। एडीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि इनकी पहचान शेरे आलम और हशरे आलम हुई है। ये दोनों नोएडा के हरौला गांव में किराए के मकान में रहते थे। पुलिस को लोकल इंटेलिजेंस और मुखबिर से सूचना मिलने के बाद इन दोनों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि इन लोगों ने सोशल साइट्स जैसे फेसबुक आदि पर अपनी कंपनी यूनिवर्सल टूर एण्ड ट्रैवल का विज्ञापन प्रसारित किया। जिसमें ये बेरोजगार लोगों को दुबई व कुवैत भेजने के नाम पर एजेंट के जरिए अपने पास बुलाते थे। दोनों आरोपी पीड़ितों से मूल पासपोर्ट ले लेते थे। साथ ही उन लोगों से वीजा बनवाने की प्रक्रिया के अन्तर्गत फ्लाइट की टिकट, मेडिकल परीक्षण आदि के नाम पर धोखा देकर कई किस्त में 30,000 से 40,000 रुपए प्रति व्यक्ति लेते थे। इसके बाद उन लोगों को अपने लैपटॉप व प्रिंटर से स्कैन कर फर्जी वीजा व फ्लाइट की टिकट तैयार कर आगे की तारीख बताकर उनसे पैसे लेते थे। इनके पास से 02 लैपटॉप, 22 पासपोर्ट, 17 फर्जी वी, 110 विजिटिंग कार्ड , 23 हजार रुपए बरामद किए है।

रंगदारी न देने पर दुकानदार को मारी थी गोली

संवाददाता

जेवर। दनकौर रेलवे स्टेशन के नजदीक मंडी श्याम नगर कस्बे में मंगलवार शाम रंगदारी नहीं देने पर एक बदमाश ने दुकान में घुसकर व्यापारी को गोली मार दी थी। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिसमें बदमाश दुकान के अंदर घुसकर गोली मारते हुए देखा जा रहा है। हालांकि बदमाश की पुलिस द्वारा पहचान कर ली गई है। पुलिस जल्द ही उसको गिरफ्तार करने का दावा कर रही है। वहीं स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि घटना को हुए करीब 18 घंटे बीत गए हैं। लेकिन अभी तक पुलिस आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। घायल व्यापारी की अस्पताल में हालात गंभीर बनी हुई है। मंडी श्याम नगर निवासी कपड़े व्यापारी अंकुर अग्रवाल को रंगदारी नहीं देने पर मंगलवार की शाम क्षेत्र के देवटा गांव निवासी विनोद उर्फ सनी ने गोली मार कर घायल कर दिया था। इस मामले में देर रात को उसके भाई ने विनोद समेत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। घटना को बीते करीब 18 घंटे हो गए हैं। लेकिन अभी तक आरोपियों की पुलिस गिरफ्तारी नहीं कर पाई है। इसके विरोध में मंडी श्याम नगर के व्यापारियों ने बुधवार को बाजार को बंद करके धरना शुरू कर दिया है। व्यापारियों का कहना है कि जब तक बदमाशों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती है। साथ ही बाजार में व्यापारियों की सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम भी मजबूत नहीं होंगे। तब तक वह धरने पर बैठे रहेंगे। वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी करने में पुलिस रात से ही जुटी हुई है। लेकिन अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। मंगलवार की शाम व्यापारी अंकुर अग्रवाल को बदमाश विनोद ने दुकान में घुसकर गोली मारी थी। जिसका सीसीटीवी फुटेज भी देर रात को पुलिस को प्राप्त हुआ है। जिसके आधार पर पुलिस मामले में जुटी हुई है। पीड़ित परिवार ने शिकायत में कहा है कि विनोद उर्फ सनी ने गोली मारी थी। जबकि उसके दो अन्य साथी दुकान के बाहर खड़े हुए थे। जो आरोपी को अपनी बाइक पर बिठाकर वहां से फरार हो गए थे। कस्बे के व्यापारियों को कहना है कि आरोपी बदमाश का कस्बे में काफी खौफ है। जो दुकानदारों को डरा धमका कर रंगदारी पहले भी ले चुका है। साथ ही 5 लाख रुपये की अंकुर अग्रवाल के भाई से वह रंगदारी मांग रहा था। जिसका विरोध करने पर ही आरोपी द्वारा गोली मारने की घटना को अंजाम दिया गया है। दनकौर कोतवाली प्रभारी संजय सिंह का कहना है कि आरोपी बदमाशों को गिरफ्तार करने के लिए टीम जुटी हुई है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डंपिंग ग्राउंड नहीं, अब बनेगा इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कांप्लेक्स

26 एकड़ में इनडोर, आउट डोर स्पोर्ट्स एक्टिविटी के साथ बनेगा मल्टीपर्पज हॉल, 34 करोड़ होंगे खर्च

संवाददाता

नोएडा । सेक्टर-123 में जहां 2018 में डंपिंग ग्राउंड बनाया जा रहा था। वहां अब आलीशान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। इसका एक प्रेजेंटेशन नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम के सामने किया गया। लोकेश एम ने बताया कि प्रेजेंटेशन को देखा गया। इसमें कुछ संशोधन बताए गए है। इसे इंटरनेशनल मानकों के हिसाब से तैयार किया जाएगा। ताकि यहां से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी बनकर बाहर निकले। दरअसल, 2018 में एनजीटी ने सेक्टर-54 लैंडफिल साइट पर कूड़ा नहीं फेंकने का आदेश दिया। समस्या ये थी नोएडा से रोजाना निकलने वाले 600 मैट्रिक टन कूड़े को कहा डंप किया जाए। मास्टर प्लान में सेक्टर-123 के इस 9 हजार वर्गमीटर जमीन पर लैंडफिल साइट बनाने का निर्णय लिया गया और यहां भारी पुलिस फोर्स के साथ काम शुरू किया गया। इसका यहां की सोसाइटी और ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया। राजनीतिक रूप से मामला तूल पकड़ने के बाद इसका स्थान बदलकर सेक्टर-145 किया गया। और गढ्ढे को ढक दिया गया। 2018 के बाद से ये लैंड खाली थी। प्राधिकरण ने इस जमीन का भू प्रयोग बदला और इसे स्पोर्ट्स एक्टिविटी के लिए यूज करने के लिए कहा गया। ऐसे में अब यहां इंटरनेशनल मानकों पर आधारित स्पोर्ट्स कंप्लैक्स का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए सलाहकार कंपनी ओरायन आर्किटेक्ट को हायर किया गया। जिसमें करीब 26.65 एकड़ में अपना प्लान बनाकर सीईओ के सामने प्रस्तुत किया। ओरायन आर्किटेक्ट की पार्टनर नीलिमा ने बताया कि सीईओ ने संशोधन के लिए कहा है। इस पर काम किया जा रहा है। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि स्पोर्ट्स कंप्लैक्स को दो फेज में तैयार किया जाएगा। पहला फेज 14.92 एकड़ का होगा और दूसरा फेज 11.73 एकड़ का होगा। इन दोनों फेज में बनने वाली स्पोर्टस एक्टिविटी के लिए 34.43 का बजट बनाया गया है। हालांकि बजट में वैरिएशन हो सकता है। स्पोर्ट्स कंप्लैक्स में आने वाले लोगों के लिए पार्किंग बनाई जाएगी। इसकी क्षमता 144 कार की होगी। इसके अलावा टू व्हीलर की अलग पार्किंग होगी। एक मल्टीपर्पज हॉल तैयार किया जाएगा। इसकी सिटिंग क्षमता 400 के आसपास होगी। इन सभी का डिजाइन तैयार किया जा चुका है। नोएडा में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के नाम पर सेक्टर-21ए स्टेडियम है। यहां भी अधिकांश सुविधाएं है। लेकिन भीड़ होने की वजह से खिलाड़ी को स्थान नहीं मिल पाता। ऐसे में नया बनाया जा रहा स्पोर्ट्स कंप्लैक्स काफी हद तक उभरते हुए खिलाड़ियों को सहूलियत देंगे। इसके अलावा सेक्टर-122, , पर्थला, सेक्टर-119, सेक्टर-121, सफाबाद और ग्रेनो वेस्ट के लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

संक्षिप्त डायरी

हापुड में पुलिस द्वारा बरता पूर्वक निहत्थे अधिवक्ताओं पर लाठी चार्ज की बार एसोसिएशन घोर निन्दा करती: कालूराम चौधरी

संवाददाता

नोएडा। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर के सचिव नीरज सिंह तंवर ने बताया कि दिनांक 30.08.2023 को जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर की कार्यकारिणी की मीटिंग / आपात बैठक अध्यक्ष कालूराम चौधरी एडवोकेट की अध्यक्षता में आहुत की गई। अध्यक्ष कालूराम चौधरी ने कहा कि जिला हापुड़ में पुलिस द्वारा जो कायरता पूर्ण तरीके से निर्दोष अधिवक्ताओं को लाठी चार्ज की गई है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रियंका त्यागी एडवोकेट के विरुद्ध हापुड़ पुलिस द्वारा गलत तरीके से कराई गई झूठी एफ.आई.आर.के विरोध मैं शांति पूर्वक कर रहे धरना प्रदर्शन कर रहे हापुड़ बार एसोसिएशन एवम् गाज़ियाबाद बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं पर हापुड़ पुलिस द्वारा किए गये बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज की घोर निंदा करते हैं तथा माँग करते हैं दोषी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की जाये

हापुड़ में पुलिस की बरबरतापूर्वक अधिवक्ताओं पर लाठी चार्ज किया है, सरकार अविलंब कार्यवाही करें: शिव किशोर गौड

संवाददाता

नोएडा/हापुड़/ प्रयागराज। बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शिव किशोर गौड़ ने समस्त जिलों के अध्यक्ष/मंत्री, बार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश को अवगत कराया कि दिनांक 29 अगस्त 2023 को जनपद हापुड़ में पुलिस ने जिस बरबरतापूर्वक अधिवक्ताओं पर लाठी चार्ज किया है उसके परिप्रेक्ष्य में बार बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के लगभग सभी माननीय सदस्यों से दूरभाष पर वार्ता करने के उपरांत यह निश्चय किया गया है कि समस्त प्रदेश के अधिवक्ता दिनांक 30 अगस्त 2023 को हड़ताल पर रहेंगे तथा न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। जनपद हापुड़ में अधिवक्ताओं पर हुए लाठी चार्ज के संबंध में बार काउंसिल उत्तर प्रदेश ने सरकार से मांग की है की अविलंब 48 घंटे के अंदर जिलाधिकारी हापुड़ए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हापुड़ व क्षेत्राधिकारी हापुड़ का स्थानांतरण हापुड़ से अन्यत्र किया जाए, 3. दोषी पुलिस कर्मचारियों के खिलाफ अविलंब मुकदमा दर्ज कराया जाए। जो घायल अधिवक्ता है उन्हें मुआवजा दिया जाए। लखनऊ के अधिवक्ता तथा आसपास के अन्य जिलों के अधिवक्ताओं से अपेक्षित है जो लखनऊ पहुंच सकते हैं, वह लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने का कष्ट करें। हापुड़ प्रकरण के संबंध में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि सरकार द्वारा उक्त प्रकरण में अविलंब प्रभावी एवं सार्थक कार्यवाही नहीं की जाती है तो दिनांक 3 सितंबर 2023 को बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश की आपात बैठक आहूत की जाएगी और उसमें आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा।

नोएडा-दिल्ली के बीच जल्द खत्म होगा जाम का झाम, 15 जगहों पर लगेंगे कैमरे

संवाददाता

नोएडा । नोएडा दिल्ली के बीच यातायात समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। यहां अब पीक आवर के अलावा भी हर समय जाम की स्थिति देखने को मिलती है। इस जाम के झाम को खत्म करने के लिए नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने एक सर्वे किया है और उसकी रिपोर्ट नोएडा प्राधिकरण को सौंप गई है। रिपोर्ट के आधार पर जल्द ही 15 महत्वपूर्ण स्थानों पर कैमरे लगाए जाएंगे। उनके जरिए ट्रैफिक पर निगरानी रखी जाएगी। ट्रैफिक पुलिस ने शहर के की सड़कों की रिपोर्ट नोएडा प्राधिकरण को सौंप दी है। रिपोर्ट में चिल्लो बॉर्डर, कालिंदी कुंज बॉर्डर और दंड समेत कुल 15 स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का प्रस्ताव दिया गया है। जल्दी एजेंसी से बात करके इस परियोजना पर काम शुरू कर दिया जाएगा। सीसीटीवी कैमरा को सेक्टर 94 स्थित इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर से जोड़ दिया जाएगा जिससे जाम की सूचना तुरंत ट्रैफिक पुलिस को मिलेगी। फिलहाल चिल्ला बॉर्डर और महामाया फ्लाईओवर के समीप सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। लेकिन बीच में करीब पांच किलोमीटर के दायरे में कहीं भी सीसीटीवी कैमररा नहीं है जबकि इसी दायरे में जाम की समस्या सबसे ज्यादा गंभीर है। यही वजह है कि सेक्टर-15ए फ्लाई ओवर, फिल्म सिटी फ्लाईओवर, डीएनडी टोल के दोनों ओर, लूप रोड, सेक्टर-18 फ्लाईओवर समेत अन्य स्थानों को चिह्नित कर एक विस्तृत रिपोर्ट प्राधिकरण को सौंप दी गई है।

सीमा हैदर ने वकील एपी सिंह को बांधी राखी

नोएडा। सीमा हैदर ने वकील एपी सिंह को राखी बांधी। एपी सिंह ने सीमा हैदर और उसके परिवार के लोगों के साथ करीब 1 घंटे तक बातचीत की। इस दौरान सीमा हैदर ने उनकी कलाई पर राखी बांधकर अपना भाई बताया। साथ ही वकील ने भी सीमा को अपनी छोटी बहन कहा। वकील ने कहा कि वह हमेशा सीमा के सुख-दुख में शामिल रहेंगे। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह रबूपुरा कस्बे पहुंचे। जहां उन्होंने सीमा हैदर और सचिन के घर पहुंचकर सबसे पहले उनका हालचाल जाना। उसके बाद रक्षाबंधन को लेकर उन्होंने सीमा को अपनी छोटी बहन बताते हुए उनसे राखी बंधवाई। इस दौरान सीमा ने उनके माथे पर तिलक लगाकर हाथ की कलाई में राखी बांधी। उनकी लंबी आयु की कामना भी भगवान से की। सीमा ने बताया कि उसने अपनी जिंदगी में पहली बार किसी को राखी बांधी है। उसका कहना है कि पाकिस्तान में रक्षाबंधन का त्योहार मुस्लिम धर्म के लोग नहीं मनाते है। लेकिन भारत में आकर उसको यहां के सभी त्योहार अच्छे लगते हैं। वह प्रत्येक त्योहार को परंपरागत तरीके से मनाती है। इस दौरान वकील एपी सिंह ने राखी बंधवाकर सीमा को कपड़े गिफ्ट और अन्य चीज दी। साथ ही सीमा के बच्चों के लिए भी वकील कपड़े लेकर पहुंचे। एपी सिंह ने सीमा के सिर पर हाथ रखकर कहा कि आज से सीमा उनकी छोटी बहन है। साथ ही सीमा के सभी बच्चे उसके भांजे। उन्होंने कहा कि वह हमेशा सीमा-सचिन के सुख दुख में शामिल होंगे। वकील एपी सिंह कहा कि आज से मेरे सभी सुख मेरी बहन के और मेरी बहन के दुख मेरे होंगे। उन्होंने कहा कि देश के पीएम नरेंद्र मोदी भी देशवासियों को भाई-बहन संबोधित करके बुलाते हैं। वह भी उनकी तरह सभी को अपने भाई-बहन मानते हैं।

चंद्रयान 3 की डिजाइन बनाने वाले फर्जी व्यक्ति को क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

सूरत । इसरो के चंद्रयान-3 मिशन के लैंडर के डिजाइन बनाने का दावा करने मितुल त्रिवेदी को सूरत सिटी पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि त्रिवेदी के दावों को इसरो के अधिकारियों ने सिरे से खारिज कर दिया है, इसके कारण उसकी गिरफ्तारी हुई। त्रिवेदी ने हाल ही में चंद्रयान-3 के लैंडर के डिजाइन के पीछे एक प्रमुख व्यक्ति होने के अपने दावे को लेकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया, उन्होंने दावा किया कि इनोवेशन ने लैंडिंग पर धूल के बिखरने को रोका। पुलिस ने शुरू में त्रिवेदी को वेरिफिकेशन के लिए बुलाया था, लेकिन अपने दावों को साबित करने में असमर्थता के चलते मामला क्राइम ब्रांच ने देखा। वहीं बेंगलुरु स्थित इसरो मुख्यालय ने अंतरिक्ष एजेंसी के साथ उसके इस दावे का खंडन किया। पुलिस ने त्रिवेदी की क्वालिफिकेशन की जांच की। उनके दावे प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूशन में एकेडमिक के दावों तक विस्तारित हुए, इनमें क्वांटम फिजिक्स के लिए कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और एंथ्रोपोलॉजी और वेदांत के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी शामिल हैं, जिसका समापन पीएचडी में हुआ। त्रिवेदी ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में सदस्यता और 45 प्राचीन भाषाओं को पढ़ने में असाधारण दक्षता का भी दावा किया था। बाद में उन्हें सूरत पुलिस की स्पेशल ब्रांच के डीसीपी हेतल पटेल ने तलब किया। अधिकारियों ने उनके दावे के समर्थन में दस्तावेजों का अनुरोध किया था, जिसे पूरा करने में त्रिवेदी विफल रहे। यह पहली बार नहीं है जब त्रिवेदी ने असाधारण दावे किए हैं। इससे पहले उन्होंने दक्षिण गुजरात के ओलपाड के पास समुद्र में द्वारिका नाम की एक स्वर्ण नगरी के अस्तित्व पर दावा किया था।

2024 में पीएम मोदी को वापस लाने का भाजपा ने किया दावा

नई दिल्ली । भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2024 में फिर से वापस लाने का दावा किया है। भाजपा ने उनकी तुलना टर्मिनेटर से करते हुए दावा किया है कि विपक्ष को यह लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2024 के लोक सभा चुनाव में हराया जा सकता है लेकिन विपक्ष सपने देख रहा है तो सपने देखते रहें, टर्मिनेटर हमेशा जीतता है और 2024 में भी मोदी ही वापस आने वाले हैं। भाजपा ने बुधवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को द टर्मिनेटर बताने वाला पोस्टर रिलीज करते हुए लिखा है कि विपक्ष को लगता है कि पीएम मोदी को हराया जा सकता है। सपने देखते रहो! टर्मिनेटर हमेशा जीतता है। पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल के फूल को दिखाते हुए मोदी को टर्मिनेटर बताया गया है और उनकी तरफ से यह दावा किया गया है कि, 2024 ! मैं वापस आऊंगा। दरअसल, 2024 की चुनावी लड़ाई अब जनता के मैदान के साथ-साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी लड़ी जा रही है और इस लड़ाई में सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही एक दूसरे पर पोस्टर, कार्टून और वीडियो के जरिए राजनीतिक निशाना साधने में लगे हुए हैं।

सिसोदिया को कट्टर ईमानदार कहते थे, 6 माह से जेल में : बीजेपी

नई दिल्ली । बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भ्रष्?टाचारी होने के गंभीर आरोप लगाकर कहा कि वे और उनकी पार्टी कट्टर बेईमान है। उनके पास शराब घोटाले के संबंध में कोई जवाब नहीं है। बीजेपी प्रवक ?ता ने कहा कि 'आप' सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया शराब घोटाले में जेल में बंद हैं। वे कहते हैं कि महज चार करोड़ ही बरामद हुए हैं। भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने कहा, एक ओर पीएम ने कहा कि भ्रष्टाचार भारत छोड़ो और इसी से घमंडी परेशान हैं। शराब घोटाले के किंग पिन केजरीवाल भी जेल जाने से घबराए हैं। संजय सिंह ने प्रेसवार्ता की। ऐसा लगा कि केजरीवाल उन्हें बोल रहे हैं, कि मुझे जेल जाने से बचा लो। ये सिसोदिया को कट्टर ईमानदार कहते थे, वे 6 माह से जेल में हैं। संजय इस तथाकथित मनघड़ंत घोटाला बोलते है। भाटिया ने शराब घोटाले की जांच के दौरान बरामद हुई रकम पर कहा, 'अपने लिए शीश महल बनवा लीजिए। अगर चार करोड़ एक जांच एजेंसी बरामद करती है, तब आप कहते हैं कि सिर्फ चार करोड़ ही हैं। उन्हें यह जानकारी भी होनी चाहिए कि ये आरोपी चार्टर्ड अकाउंटेंट है। इससे दो करोड 20 लाख नकद मिले हैं। बैंक से भी रकम सीज की गई है।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. मनमोहन कोहली को मिला पैराग्वे गणराज्य का सर्वोच्च सम्मान

सोलन । देश के जानेमाने कृषि वैज्ञानिक सोलन के डॉ. मनमोहन कोहली को हाल ही में पैराग्वे गणराज्य का सर्वोच्च सम्मान नैशनल ऑर्डर ऑफ मैरिट इन द ग्रेड ऑफ कोमैंदादोर से सम्मानित किया गया है। यह विशिष्ट सम्मान पैराग्वे गणराज्य के राष्ट्रपति की ओर से दिया गया। गौरतलब है कि यह सर्वोच्च नागरिक और सैन्य सम्मान उन व्यक्तियों को दिया जाता है जो राष्ट्र के उत्थान में अपना उल्लेखनीय योगदान देते हैं। यह सोलन ही नहीं बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। डा. मनमोहन कोहली अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार हैं और कैपेको में उन्होंने राष्ट्रीय गेहूं कार्यक्रम को लीड किया। इसका असर यह हुआ कि जो पैराग्वे गणराज्य एक दशक पहले गेहूं आयात करता था, अब वह एक करोड़ डॉलर से अधिक का गेहूं प्रतिवर्ष निर्यात कर रहा है। उन्होंने पैराग्वे गणराज्य में हरित क्रांति लाई है। उन्हें देश में फादर ऑफ व्हीट (गेहूं का पिता) कहा जाता है। डॉ. कोहली ने अपनी 10वीं तक की पढ़ाई ब्वायज सीनियर सैकेंडरी स्कूल सोलन से वर्ष 1960 में पूरी की। उसके बाद राजस्थान के उदयपुर कालेज से कृषि विज्ञान में स्नातक डिग्री और इसके बाद भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) दिल्ली से मास्टर डिग्री व पीएचडी की डिग्री हासिल की। डॉ. कोहली ने अपने व्यापक कार्य और समर्पण के माध्यम से खुद को पैराग्वे में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में स्थापित किया है। पिछले 3 दशकों में उन्होंने 20 से अधिक विशिष्ट राष्ट्रीय गेहूं किस्मों के निर्माण और उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गाजियाबाद में दिनदहाड़े वकील की हत्या, चेंबर में घुसकर हमलावरों ने सिर में मारी गोली

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में अदालत परिसर में एक वकील की अज्ञात हमलावरों ने उसके चैंबर में गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मोनू चौधरी के रूप में हुई है, जिसे बदमाशों ने उस समय गोली मार दी जब वह अपने चैंबर में खाना खा रहा था। घटना गाजियाबाद के सिहानीगेट इलाके की है। खबरों के मुताबिक, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों को पकड़ने की कोशिश जारी है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दिनेश कुमार पी, डीसीपी नगर निपुण अग्रवाल फिलहाल घटना स्थल पर मौजूद हैं। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, वकील मनोज उर्फ मोनू चौधरी दोपहर का खाना खा रहे थे, तभी दो हमलावर चैंबर 95 में घुसे और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। घटना के बाद पूरी तहसील में हंगामा मच गया। गौरतलब है कि चौधरी इससे पहले तहसील बार एसोसिएशन का चुनाव भी लड़ चुके हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच कर रही है। बदमाशों ने चैंबर में घुसकर मोनू चौधरी नाम के वकील को गोली मार दी, जिससे वकील की मौके पर ही मौत हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में दो हमलावरों की पहचान की गई है, जो दोपहर करीब 1ः38 बजे तहसील में दाखिल हुए और रूमाल से अपना चेहरा छिपा लिया था।

वैध लाइसेंस के बिना दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पर कार्रवाई करें केंद्र और राज्य सरकार : अदालत

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र और नगर सरकार को वैध लाइसेंस के बिना दवाओं की ऑनलाइन बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने केंद्र को उचित कदम उठाने तथा ऑनलाइन दवाओं की 卐अवैध卐 बिक्री पर अपने अंतिम रुख के बारे में अदालत को सूचित करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया।

मणिपुर हिंसा के 150 दिन हो गए, पीएम को दौरा करने का समय नहीं : चिदंबरम

-कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने विधानसभा के एक दिवसीय सत्र के स्थगन पर ली चुटकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने बुधवार को मणिपुर विधानसभा के एक दिवसीय सत्र के स्थगन पर चुटकी लेते हुए कहा कि हिंसा को 150 दिन हो गए लेकिन पीएम को दौरा करने तक का समय नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सदन को राज्य में जातीय हिंसा को छोड़कर सब कुछ याद है। चिदंबरम ने एक ट्वीट में कहा कि मणिपुर विधानसभा ने एक सत्र आयोजित किया जो 30 मिनट के स्थगन को छोड़कर, पूरे 15 मिनट तक चला। हिंसा से प्रभावित दो समूहों में से एक कुकी का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक इसमें शामिल नहीं होते क्योंकि उन्हें अपनी सुरक्षा का डर है। विधानसभा को चल रही हिंसा को छोड़कर सब कुछ याद है। रिपोर्टों के अनुसार, एक ही दिन में दो लोग मारे गए और सात घायल हो गए। फिर भी, मणिपुर में संविधान का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा, मणिपुर में हिंसा भड़के 150 दिन हो गए हैं और प्रधानमंत्री को राज्य का दौरा करने का समय नहीं मिला है। कांग्रेस नेता की टिप्पणी मणिपुर विधानसभा के बहुप्रतीक्षित एकल-दिवसीय सत्र के एक दिन बाद आई है, जिसे विधानसभा अध्यक्ष थोकचोम सत्यब्रत सिंह ने कार्यवाही शुरू होने के एक घंटे के भीतर अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया था।

कार्यवाही तब शुरू हुई जब कांग्रेस विधायकों ने सत्र को कम से कम पांच दिनों के लिए बढ़ाने की मांग करते हुए सदन में हंगामा किया। अपने विधायक दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने सदन को बताया कि राज्य में 3 मई से हो रही अभूतपूर्व जातीय हिंसा पर चर्चा करने के लिए एक दिन पर्याप्त नहीं है। सदन की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद, पिछले 120 दिनों से गैर-आदिवासी मैतेई और आदिवासी कुकी के बीच जातीय हिंसा में मारे गए लोगों के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

कहा जा रहा है कि विधानसभा सत्र महत्वपूर्ण था, क्योंकि 3 मई को जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 170 से अधिक लोग मारे गए हैं और 700 से अधिक अन्य घायल हो गए, जब मेइतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किया गया था। जातीय संघर्ष के कारण, विभिन्न समुदायों के लगभग 70,000 पुरुष, महिलाएं और बच्चे विस्थापित हो गए हैं और अब वे मणिपुर में स्कूलों, सरकारी भवनों और सभागारों में स्थापित 350 शिविरों में शरण लिए हुए हैं।

बहनजी की अपील, इंडिया में शामिल नहीं हो रही बसपा, प्लीज भ्रम ने फैलाए

लखनऊ । यूपी की पूर्व सीएम और बसपा सुप्रीमो मायावती ने आगामी चुनावों में किसी भी दल के साथ गठबंधन से साफ इनकार किया है। मायावती ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साल के आखिर में 4 राज्यों में होने वाले चुनाव या अगले साल प्रस्तावित लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी। बसपा अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। बहनजी ने एनडीए और 'इंडिया', दोनों गठबंधन को गरीब विरोधी करार दिया। मायावती ने जानकारी दी कि, 'एनडीए व इंडिया गठबंधन अधिकतर गरीब-विरोधी जातिवादी, साम्प्रदायिक, धन्नासेठ-समर्थक व पूंजीवादी नीतियों वाली पार्टियां हैं, जिनकी नीतियों के विरुद्ध बीएसपी अनवरत संघर्षरत है और इसकारण इन दलों से गठबंधन करके चुनाव लड़ने का सवाल ही पैदा नहीं होता। अतः मीडिया से अपील-नो फेक न्यूज प्लीज। उन्होंने कहा, 'बीएसपी, विरोधियों के जुगाड़/जोड़तोड़ से ज्यादा समाज के टूटे/बिखरे हुए करोड़ों उपेक्षितों को आपसी भाईचारा के आधार पर जोड़कर उनके गठबंधन से सन् 2007 की तरह अकेले आगामी लोकसभा तथा चार राज्यों में विधानसभा का आम चुनाव लड़ेगी। मीडिया बार-बार भ्रान्तियां न फैलाए।

इंडिया की बैठक से पहले आप प्रवक्ता ने कहा, केजरीवाल हो गठबंधन के पीएम उम्मीदवार

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंडिया गठबंधन की बैठक 31 और 1 सितंबर को मुंबई में होने जा रही है। इसके पहले आम आदमी पार्टी की ओर से अपने संयोजक और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को विपक्षी गठबंधन के प्रधानमंत्री चेहरे के रूप में पेश करने की इच्छा जाहिर की गई है। आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा, 'अगर आप मुझसे पूछें तब मैं चाहूंगी कि केजरीवाल प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बने।

आप प्रवक्ता कक्कड़ ने अपने नेता केजरीवाल को विपक्षी गठबंधन का प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनाने के सुझाव के पीछे तर्क दिया, 'इतनी कमरतोड़ महंगाई में भी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सबसे कम महंगाई है। यहां मुफ्त पानी, मुफ्त शिक्षा है। मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थयात्रा है। फिर भी एक सरप्लस बजट पेश किया गया है। वह लोगों के मुद्दों को उठाते हैं और सत्ताधारी दल के लिए एक चुनौती के रूप में उभरे हैं।

इंडिया गठबंधन की मुंबई बैठक में शामिल होने के लिए 31 अगस्त को समान विचारधारा वाले दलों के नेता मुंबई में जुटने वाले हैं। शाम 6 से 6ः30 बजे तक सभी गठबंधन सहयोगियों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया जाएगा। इसके बाद एक अनौपचारिक बैठक ?होगी। रात आठ बजे डिनर का आयोजन रखा गया है, जिसकी मेजबानी शिवसेना यूबीटी के

अध्यक्ष उद्धव ठाकरे करने वाले है। अगले दिन यानी 1 सितंबर को औपचारिक बैठक होगी, जिसमें गठबंधन का लोगो जारी किया जा सकता है। यह भी उम्मीद है कि कुछ और क्षेत्रीय राजनीतिक दल मुंबई में 26-पार्टियों के विपक्षी गठबंधन में शामिल हो सकती है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, हम मुंबई में आगामी बैठक के दौरान अगले साल के आम चुनावों के लिए इंडिया ब्लॉक की रणनीतियों पर चर्चा करने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'सीट-बंटवारे जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी और कई अन्य एजेंडों को अंतिम रूप दिया जाएगा। कुछ और राजनीतिक दल हमारे गठबंधन में शामिल हो सकते हैं। मैं 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले अधिकतम संख्या में दलों को एकजुट करना चाहता हूं। मैं उस दिशा में काम कर रहा हूं। मुझे अपने लिए किसी पद की इच्छा नहीं है।

कांग्रेस पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी भी इस बार मुंबई में इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल होंगी। वहीं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी इंडिया गठबंधन की तीसरी बैठक में अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। विपक्षी गठबंधन की पहली बैठक पटना और दूसरी बैठक बेंगलुरु में आयोजित की गई थी।

भाजपा का अहंकार हम भाई-बहन जनता के साथ मिलकर तोड़ेंगे: प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने राहुल गांधी के साथ खुद के झगड़े संबंधी भारतीय जनता पार्टी के नेता अमित मालवीय के दावे को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि उनके और बड़े भाई के बीच सिर्फ़ प्रेम, विश्वास, आदर और वफ़ादारी का रिश्ता है तथा यह हमेशा के लिए है। उन्होंने यह दावा भी किया कि वह और राहुल गांधी देश की जनता के साथ मिलकर भाजपा के झूठ और अहंकार को तोड़ेंगे। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट कर आरोप लगाया कि कांग्रेस में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के बीच घमासान चल रहा है।

मालवीय द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाद्रा के एक बयान का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि सोनिया गांधी 'पुत्रमोह में' अपनी पुत्री को आगे नहीं बढ़ने दे रही हैं तथा सिर्फ अपने पुत्र राहुल गांधी को ही राजनीति में आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं ताकि वह प्रधानमंत्री बन सकें। वीडियो में दावा किया गया है, ''सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी को चुनाव लड़ने से रोक रखा है। यह बात प्रियंका गांधी के पति को समझ में आ गई है।'' रॉबर्ट वाद्रा ने हाल ही में कहा था कि प्रियंका गांधी संसद में बैठने की हकदार हैं। प्रियंका गांधी ने भाजपा नेता के इस वीडियो का उल्लेख किए बगैर सत्तारूढ़ पार्टी पर पलटवार किया। प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भाजपा वालों, महंगाई और बेरोजगारी के इस दौर में यही बकवास मुद्दा बचा है? सॉरीज़ मगर आपके छोटे दिमाग का यह सपना कभी साकार नहीं होगा। मेरे भाई और मेरे बीच एक दूसरे के प्रति सिर्फ़ प्रेम, विश्वास, आदर और वफ़ादारी है और हमेशा के लिए रहेगी। '' उन्होंने कहा, ''वैसे घबराओ मत, आपके झूठ, लूट और खोखले प्रचार के अहंकार को हम दोनों बहन-भाई - देश के करोड़ों बहन-भाइयों के साथ मिलकर तोड़ेंगे। रक्षा बंधन की शुभकामनाएं। भाई-बहन के बीच प्रेम का उत्सव है, इसे सकारात्मक भाव से मनाइयेगा।

अनुच्छेद-370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को खत्म करना महत्वपूर्ण मुद्दा है : पीडीपी

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने बुधवार को कहा कि केंद्र द्वारा अनुच्छेद-370 के तहत जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे को खत्म करना एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, न कि राज्य के दर्जे को बहाल करना। पार्टी की यह टिप्पणी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा उच्चतम न्यायालय में दिए गए तर्क के बाद आई है। मेहता ने अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के खिलाफ चल रही सुनवाई के दौरान मंगलवार को न्यायालय से कहा कि जम्मू-कश्मीर का केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा ''स्थायी नहीं'' है और सरकार 31 अगस्त को राज्य का दर्जा बहाल करने को लेकर विस्तृत बयान देगी। पीडीपी के मुख्य प्रवक्ता सुहैल बुखारी ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं के केंद्रबिंदु को बदलना चाहती है। उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि भाजपा और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) का शासन शुरुआत से ही जम्मू-कश्मीर की महत्वकांक्षा के केंद्र को बदलना चाहता है। हम कश्मीर मुद्दे के समाधान के बारे में बातचीत करते थे। इसके बाद, उन्होंने राज्य का दर्जा छीन केंद्रशासित प्रदेश बना दिया, उसके बाद चुनाव भी नहीं कराए जा रहे हैं।'' बुखारी ने कहा, ''वे (भाजपा/आरएसएस) लक्ष्य को बदलना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि हम परिस्थितियों के आगे आत्मसमर्पण कर दें ताकि हम उन परिस्थितियों में केवल चुनाव कराने की बात करें या ऐसे ही रहें।'' उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि जनता राज्य के दर्जे की बहाली की बात करे, न कि इसके विशेष दर्जे को फिर से कायम करने की।

पीडीपी प्रवक्ता ने कहा, ''पार्टी जम्मू-कश्मीर मुद्दे के समाधान की मांग करती है, जो भी पांच अगस्त (2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त करने का फैसला) को हुआ उससे जम्मू-कश्मीर की समस्या और जटिल हो गई है। अदालत के सामने सवाल है कि भारत सरकार ने एकतरफा, अवैध और असंवैधानिक तरीके से जिस विशेष दर्जे को छीन लिया क्या वह हमारा अधिकार था या नहीं-राज्य का दर्जा बहाल करना या केंद्रशासित प्रदेश ही रहे यह बहुत अहम नहीं है।'' विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' की बृहस्पतिवार को मुंबई में होने वाली बैठक के बारे में पीडीपी प्रवक्ता ने कहा कि उनकी पार्टी इसमें सकारात्मक तरीके से सहयोग करेगी।

ज्ञानवापी मामले में आया नया मोड़, अब वजूखाने के भीतर भी एएसआई सर्वे की मांग

-विश्व वैदिक सनातन संघ संस्था की संस्थापक सदस्य राखी सिंह ने लगाई कोर्ट में याचिका

वाराणसी (एजेंसी)। ज्ञानवापी मामले में उस वक्त नया मोड़ आ गया जब विश्व वैदिक सनातन संघ संस्था की संस्थापक सदस्य राखी सिंह ने याचिका लगाकर वजूखाने का भी वैज्ञानिक सर्वे कराने की मांग कर डाली। बता दें कि वाराणसी में ज्ञानवापी का मुद्दा खूब गरमाया हुआ है। इस समय ज्ञानवापी परिसर का एएसआई सर्वे चल रहा है। सर्वे टीम वहां की तमाम चीजों को खंगाल रही हैं। एएसआई की रिपोर्ट के आधार पर श्रृंगार गौरी केस में अहम मोड़ आ सकता है। हिंदू पक्ष की ओर से मस्जिद परिसर में मंदिर होने के दावों के बीच एएसआई सर्वे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एएसआई सर्वे के बीच वाराणसी कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है। श्रृंगार गौरी केस में याचिकाकर्ता राखी सिंह की ओर से जिला जज के यहां आवेदन देकर ज्ञानवापी मस्जिद वजूखाने का भी एएसआई से वैज्ञानिक सर्वे कराने की मांग की गई है। दरअसल, एएसआई सर्वे को लेकर वाराणसी कोर्ट की ओर से ज्ञानवापी परिसर के वजूखाने को छोड़कर अन्य भागों का सर्वे कराने का आदेश दिया था। इसी आदेश को इलाहाबाद हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा।

बता दें कि ज्ञानवापी के वजूखाने में एडवोकेट कमिश्नर की अगुआई में कराए गए सर्वे के दौरान 16 मई 2022 को शिवलिंग की आकृति जैसी संरचना मिली थी। हिंदू पक्ष की ओर से इसे शिवलिंग बताया गया। वहीं, मुस्लिम पक्ष इसे फव्वारा कहता रहा है। विवाद गहराने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस स्थल को सील करने का आदेश दिया है। वहां पर सुरक्षा बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। ऐसे में कोर्ट की ओर से सील स्थल का सर्वे नहीं कराने का आदेश दिया गया था। अब राखी सिंह की ओर से दायर याचिका में वजूखाने का सर्वे भी कराने की मांग की गई है।

हालांकि कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए इस पर 8 सितंबर को सुनवाई की तारीख तय की है। वाराणसी जिला जज ने चार याचिकाकर्ताओं की ओर से दायर श्रृंगार गौरी पूजन की याचिका पर सुनवाई के दौरान 21 जुलाई को परिसर के एएसआई सर्वे का आदेश दिया था। राखी सिंह के वकील अनुपम द्विवेदी ने कहा कि मंगलवार को अदालत के समक्ष 62 पेज की एक अर्जी दायर की है। इसमें हमने अपना पक्ष रखा है। 16 मई 2022 को वजूखाना में शिवलिंग मिला था, उसका सर्वे कराए जाने की जरूरत को हमने बताया है।

प्रज्ञान ने पहली बार ली विक्रम की तस्वीर, इसरो ने सोशल मीडिया पर जारी की तस्वीर

बेंगलुरु (एजेंसी)। (ईएमएस)। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में सॉफ्ट लैंडिंग के बाद प्रज्ञान रोवर लैंडर विक्रम से नीचे उतरकर अपने काम में लगा हुआ है। प्रज्ञान अब तक एक टेरा बाइट से अधिक डेटा भेज चुका है। साथ ही चंद्रमा की सतह के टेम्परेचर प्रोफाइल को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारियां भेजी हैं। अब तक विक्रम लैंडर ने प्रज्ञान रोवर की तस्वीरें भेजी थीं, लेकिन अब पहली बार प्रज्ञान ने विक्रम की तस्वीर ली है, इस तस्वीर को इसरो ने जारी किया है।

इसरो ने ट्वीट में लिखा, 'स्माइल प्लीज! प्रज्ञान रोवर ने बुधवार की सुबह विक्रम लैंडर की एक तस्वीर क्लिक की। फोटो रोवर प्रज्ञान पर लगे नेविगेशन कैमरे द्वारा ली गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि चंद्रयान-3 के एक अन्य उपकरण ने चंद्रमा पर कई तत्वों की मौजूदगी का पता लगाया है। विशेष रूप से, इसतरह के संकेत प्राप्त किए हैं, जो चांद पर सल्फर की उपस्थिति की पुष्टि करते हैं जिनका प्रत्यक्ष प्रमाण अभी तक उपलब्ध नहीं था।

इसके पहले इसरो ने कहा, चंद्रयान-3 के रोवर प्रज्ञान पर लगे लेजर-प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी उपकरण ने दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्र सतह की मौलिक संरचना पर पहली बार इन-सीटू मेजरमेंट किया है। ये इन-सीटू मेजरमेंट स्पष्ट रूप से क्षेत्र में सल्फर (एस) की उपस्थिति की पुष्टि करते हैं, यह कुछ ऐसा है जो ऑर्बिटर पर लगे उपकरणों द्वारा संभव नहीं था। प्रारंभिक विश्लेषण ने चंद्र सतह पर एल्युमीनियम, सल्फर, कैल्शियम, आयरन, क्रोमियम, और टाइटेनियम की उपस्थिति का खुलासा किया है। आगे के इन-सीटू मेजरमेंट से मैंगनीज (एमएन), सिलिकॉन (सी), और ऑक्सीजन (ओ) की उपस्थिति का पता चला है। हाइड्रोजन की उपस्थिति के संबंध में गहन जांच चल रही है।

चंद्रमा पर विभिन्न तत्वों की उपस्थिति और प्रचुरता के बारे में जानकारी इकट्ठा करना चंद्रयान-3 मिशन के प्रमुख विज्ञान उद्देश्यों में से एक है, इस दिशा में एक से अधिक उपकरण काम कर रहे हैं। रोवर प्रज्ञान पर एलआईबीएस उपकरण, जिसे इसरो की इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स सिस्टम लेबोरेटरी द्वारा विकसित किया गया है, चट्टानों या मिट्टी से प्लाज्मा उत्पन्न करने के लिए एक हाई-एनर्जी पल्सर का उपयोग करता है।

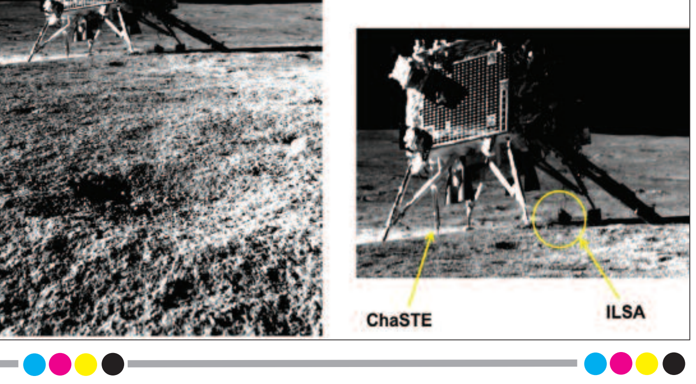

बकबक नहीं 'स्मार्ट टॉक' सीखें

किसके सामने, कब, क्या और कैसे बोलना है, यह व्यक्तित्व का एक बहुत बड़ा पहलू है। यदि आप अक्सर बोलते समय अचकचा जाती हैं तो यह आपके आत्मविश्वास में कमी को दर्शाता है। इसलिए बहुत न बोलिए लेकिन जो बोलिए, प्रभाव पूर्ण बोलिए।

बोलना और प्रभावशाली बोलना, एक कला है। इस कला में माहिर होने के लिए कुछ प्रयास करने पड़ते हैं। यह भी सही है कि कई लोगों को बोलने में जन्मजात महारत हासिल होती है। लेकिन जरूरी नहीं है कि संवाद कला में जिन्हें जन्मजात महारत हासिल है वहीं अपना प्रभाव जमा सकें। यह एक कला है और यह कला बकायदा सीखी जा सकती है। सवाल है अगर कोई लड़की जन्मजात हाजिर-जवाब नहीं है यानी बोलने में निपुण नहीं तो क्या वह कोशिश करके संवाद कला की शहजादी बन सकती है? इस सवाल का जवाब वाकई हाँ में है। आइए जानते हैं कैसे?

संवाद कला में तब बदल जाता जब हम बोलते समय दूसरे का ध्यान अपनी तरफ खींचें और उन्हें चौंकाते हुए नया कुछ सोचने पर मजबूर करें। संवाद कला की शहजादी बनने का यह मतलब नहीं है कि आप बड़ी-बड़ी बातें हाँकें। चौंकाने के नाम पर ऐसा कुछ कहें जो असंभव या हास्यास्पद लगे। जब भी बोलें संक्षिप्त, सरल और सहजता से कुछ ऐसा कह जाएँ जो ध्यान खींच ले, जो घिसा-पिटा न लगे। साथ ही जो न तो अमर्यादित हो और न ही संकोच से भरा हुआ। ऐसे जुमले हमेशा बेकार साबित होते हैं।

अगर आपको सुनने वाले बच्चे हैं तो उनके साथ आइस ब्रेकिंग का सबसे बढ़िया तरीका है कहें, देखो बच्चे क्या कर रहे हैं? और फिर किसी गतिविधि में उनकी बातचीत क्या हो सकती है, शुरू कर दें। मनोचिकित्सक कहते हैं- 'अगर कोई 7 साल का बच्चा अपनी कार के साथ खेल रहा हो तो उससे बातचीत शुरू करने का आइस ब्रेकिंग का तरीका यही है कि आप उससे कहे कि हाँ, भई आपकी कार कहाँ जा रही है? बजाय घिसे-पिटे तरीके से यह पूछने के कि बेटा बताओ तुम्हारा नाम क्या है?

अगर आप किसी सेलेब्रिटी से मुखातिब हैं और चुप्पी को तोड़ना चाहती हैं तो कई तरीके से ऐसा कर सकती हैं। एक खूबसूरत तरीका यह है कि आप संक्षिप्त में अपनी बात करें। जैसे एक बार एक फिल्म कलाकार का इंटरव्यू लेने के लिए सैकड़ों पत्रकार इकट्ठे थे। सबने उन तक लंबे-लंबे रिक्वेस्ट नोट भेजे और उन्होंने सभी को इंटरव्यू देने से मना कर दिया। लेकिन एक पत्रकार को वे मना नहीं कर सके। उस युवती ने कागज का एक छोटा-सा टुकड़ा उठाया उस टुकड़े में यह लिखा हुआ था, 'हाय आई वांट टू टॉक टू यू इज दैट ऑल राइट'? बस बेहद संक्षिप्त सीधे सपाट शब्दों में और पता है नतीजा क्या रहा, कलाकार ने उस कागज के पुर्जे के पीछे लिख दिया 'यस वेट फॉर मी'। बहरहाल जब भी अचानक कोई बहुत बड़ा सेलेब्रिटी सामने दिख जाए तो तुरंत उसकी तरफ स्लैम बुक लेकर न दौड़ जाएँ और प्लीज ऑटोग्राफ की झड़ी लगा दें। यह घिसापिटा तरीका है।

आप ऑफिस जा रही हैं। लिफ्ट में चढ़ती हैं इस दौरान किसी दोस्त से पूरे मूड़ में बात कर रही होती हैं कि अचानक लिफ्ट में एक तरफ खड़े बॉस पर नजर पड़ जाती है और आप अचानक इस तरह खामोश हो जाती हैं, जैसे रिकॉर्डर का पॉज बटन दब जाता हो। लेकिन इतना नहीं होता एक पल को आप अचकचा जाती हैं और आपको समझ में ही नहीं आता कि करें तो क्या? संवाद कला में माहिर लड़कियाँ ऐसा नहीं करतीं। एक पत्रिका की क्रिएटिव डायरेक्टर कहती हैं- 'अकबका कर खामोश हो जाना सही नहीं है, सही तरीका यह कि बॉस को अभिवादन करें और फिर सहजता दर्शाते हुए आज की किसी बात को शेयर करें मसलन, 'सर आपने पढ़ा कल पार्लियामेंट में क्या हुआ? नेता आपस में एक-दूसरे की पोल खोलने में लगे थे।' यकीन मानिए अगर आपके बॉस ने पढ़ा भी नहीं होगा तो भी यह दर्शाने के लिए कि उसने आपसे बेहतर ढंग से न्यूज पढ़ी है, छूटते ही कहेगा पहले भी ये इस तरह कई बार हरकतें कर चुके हैं।

पौष्टिक डोसा

सामग्री : 100 ग्राम राजगिरा आटा, 200 ग्राम साबूदाना, 50 ग्राम दही, आलू उबेले 500 ग्राम, सेंधा व नमक घी (आवश्यकतानुसार), कालीमिर्च चुटकीभर, कटा हरा धनिया, हरी मिर्च व नींबू रस।

विधि : साबूदाने को रात में गला दें। सुबह दही डालकर मिक्सर में पीसें। राजगिरे का आटा भी इसमें मिलाए। नमक डालकर डोसे का घोल तैयार करें।

आलू को छिलकर मैश करें। कड़ाही में घी गर्म करें, जीरा चटकाएँ व नमक-मिर्च डालकर मिश्रण तैयार करें। ऊपर से नीबू का रस डालकर हरा धनिया बुरकें।

अब तवे को गरम करें। घी लगाकर मिश्रण (घोल) से डोसे बनाएँ और करकरे सकें। इन्हीं पर आलू का मिश्रण रखें और लपेटकर पौष्टिक फलाहारी डोसा सर्व करे।

नमकीन गजक

सामग्री : आलू आधा किलो, मूँगफली के सिके दाने 200 ग्राम, साबूदाना 100 ग्राम, नमक-काली मिर्च (स्वादानुसार), तलने को घी या तेल, तिल्ली 50 ग्राम।

विधि : साबूदाने गलाएँ। आलू उबालकर मैश करें व मूँगफली दाने पीसे। सबको मिलाकर नमक व कालीमिर्च डालकर मिश्रण तैयार करें। इससे लोइयाँ बनाएँ। चपटी करें और घी या तेल में तलकर गरमा-गरम गजक पर तिल्ली बुरकें और नमकीन गजक सर्व करें।

समझाएँ फालतू खर्च और सही खर्च का अंतर

वस्तुतः बच्चों को खुश रखने के नाम पर उनकी हर जिद पूरी करना, लाड़-प्यार के नाम पर फिजूलखर्ची को उनके व्यवहार में शामिल क रना व्यर्थ ही नहीं, खतरनाक भी है। बाल तुष्टिकरण में लगे कई पालकों को आगे चलकर बेलगाम होते बच्चों की हरकतें देखकर दुख भी होता है, लेकिन तब तक देर हो चुकी होती है।

इससे पहले कि आप ऐसी स्थिति के शिकार हों, अपनी संतानों को बचपन से ही किफायत का महत्व सिखाएँ, कुछ इस तरह :

आय-व्यय प्रबंधन :

बच्चा अपनी जेब खर्च का इस्तेमाल कब व कैसे करता है, इससे उसकी अभिरुचि का पता चलता है। बच्चों से कहें कि उन्हें कब व कितनी राशि मिली तथा उन्होंने उसका क्या किया, इसका लेखा-जोखा एक डायरी में रखें। आप समय-समय पर उनकी डायरी चेक कर फालतू खर्चों के प्रति उन्हें आगाह करते रहें। उन्हें सिखाएँ कि आने वाली जरूरतों जैसे मित्र के लिए बर्थडे गिफ्ट, पिकनिक या खेल का सामान खरीदने के लिए वे अपने खर्चों में कटौती कर पैसे बचा सकते हैं।

घरेलू कार्यों में हिस्सेदारी :

बच्चे थोड़े समझदार होने पर उन्हें घर के रोजमर्रा के कामों में हिस्सेदार बनाएँ। बाजार से सामान लाना, अच्छी-बुरी चीजों को परखना आदि बचपन से ही सिखाया जाए, तो बच्चे धन का महत्व बेहतर समझने लगते हैं। घर की कुल आय तथा कुल खर्चों की मोटी-मोटी जानकारी बच्चों को होनी ही चाहिए ताकि जवानी की दहलीज पर कदम रखते समय वे घर की आर्थिक स्थिति को भली-भाँति समझते हों।

दिखावे से दूरी :

बच्चों को समझाएँ कि ऊपरी दिखावा व्यर्थ है। आपकी अपनी जीवनशैली भी ऐसी होना चाहिए कि बच्चों में दिखावे के बजाए सादगी की प्रवत्ति पनपे।

संसाधनों का उचित उपयोग :

किफायत केवल पैसों पर ही नहीं, संसाधनों पर भी लागू होती है। बिजली, पानी, पेट्रोल, गैस आदि की बचत कर हम अपने पैसों की ही बचत नहीं करते, बल्कि विश्व के आर्थिक संसाधनों को सहेजने में भी अपना योगदान करते हैं। यह बात बच्चों को समझाएँ।

उन्हें बताएँ

- दो पल के दिखावे से कोई स्थायी इज्जत प्राप्त नहीं कर सकता। इज्जत मिलती है सच्ची लगन व मेहनत से किए गए उन कार्यों से, जो किसी व्यक्ति में गुणों को निखारकर हीरे सी चमक प्रदान करते हैं।
- गाँधी के गुणों के कारण उनकी लंगोटी गोरों की सारी चमक-दमक पर भारी पड़ी थी।
- दुनिया में बड़ी असमानताएँ हैं। आर्थिक असमानता आज दुनिया की सबसे बड़ी समस्या है। ऐसी स्थिति में किसी अमीर से दिखावे की होड़ के खतरनाक दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।
- भोजन का सामान न फेंकने की सलाह के साथ उन्हें यह भी बताएँ कि दुनिया में कितने लोग भोजन की कमी के कारण रोज काल ग्रास बन जाते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2931

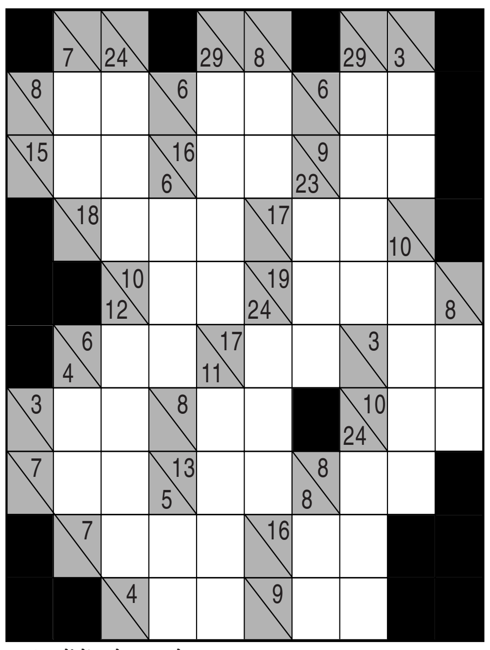

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 2930 का हल

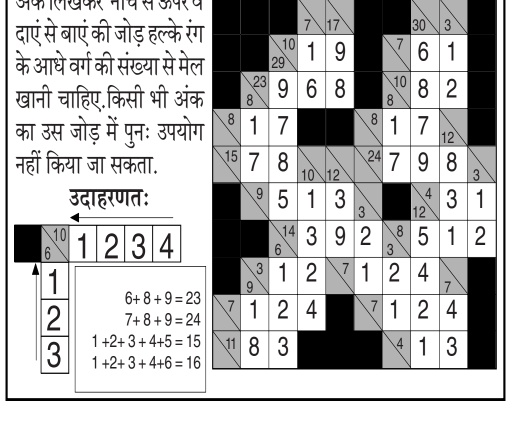

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

हंसी के फूव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा- 'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो?'

'हां!' हीरो शान्त स्वर में बोला- 'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

□ □ □

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा- 'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं!'

'फिर?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!' वह आदमी कड़क आवाज में बोला- 'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे?'

□ □ □

बेटा- 'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता- कितने अंक मिले हैं.

बेटा- 'शून्य, शून्य, शून्य!'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2931

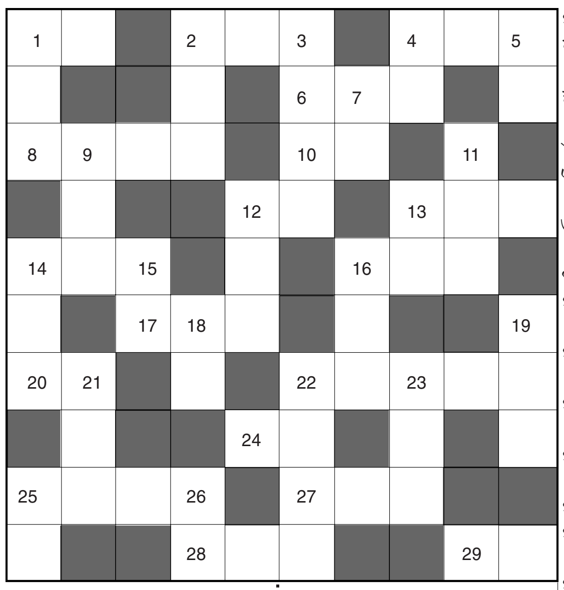

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2930

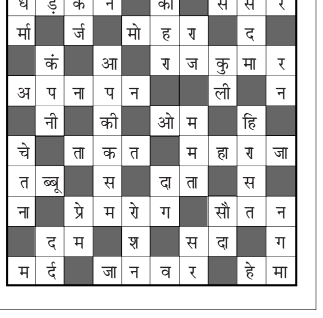

सूडोकु -2931

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2930 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 2931

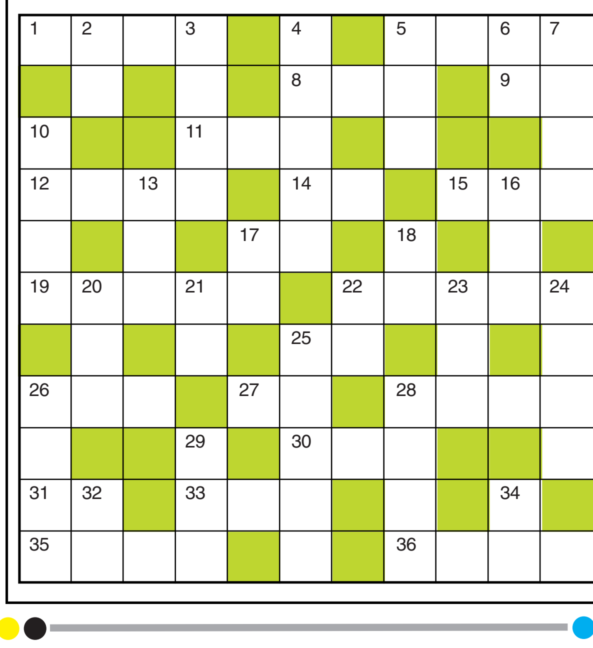

बाएँ से दाएँ

1. धरोहर, थाती-4
5. अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8. गुणगान-3
9. प्रेम (अंग्रेजी-2)
11. भरोसा, विश्वास-3
12. दुःख, परेशानी, कष्ट-4
14. हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15. गागर, घड़ा-3
17. जांघ-2
19. असावधान-5
22. करतूत, होशियारी-5
25. डूबा हुआ, समाप्त-2
26. तीक्ष्ण, तेज-3
27. अधर्म, अपकृत्य-2
28. मनमौजी, चंचल-4
30. हत्या, वध-3
31. पंख-2
33. मायका-3
35. व्यापार, व्यवसाय (उर्दू-4)
36. कृपा, रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2. फूलों का हार-2
3. वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4. शांति, सुख-चैन-3,2
5. अस्वस्थ, मरीज-3
6. दम, ताकत-2
7. भगवान राम के पुत्र-2,2
10. उन्मत, मदमस्त-4
13. दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16. बोलने का तरीका-3
17. रास्ता-2
18. पराया-2
20. परीक्षा-3
21. वचन-2
22. खेती-2
23. अभिमान-3
24. फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25. बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26. ईश्वर, राजा-4
28. मन को अच्छा लगने वाला-4
29. शाप से पीड़ित-3
32. अवकाश, मंजूरी-2
34. संध्या-2

शब्द पहेली -2930 का हल

संस्कार उजाला

ऋतिक रोशन ने की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की समीक्षा

अब हाल ही में, ऋतिक रोशन ने फिल्म देखी और करण जौहर की तारीफों के पुल बांधे हैं। तो चलिए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है।
रॉकी और रानी की प्रेम कहानी इन दिनों लगातार सुर्खियां बटोर रही है। पिछले महीने की 28 तारीख को रिलीज हुई इस फिल्म को लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म ने रणवीर सिंह और आलिया भट्ट के किरदार को काफी पसंद किया जा रहा है। अब हाल ही में, ऋतिक रोशन ने फिल्म देखी और करण जौहर की तारीफों के पुल बांधे हैं। तो चलिए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है।

ऋतिक रोशन ने बांधे रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के तारीफों के पुल

अभिनेता ने अपने ट्विटर हैंडल पर फिल्म की समीक्षा की और एक नोट लिखकर पूरी टीम को शुभकामनाएं भी दीं। फिल्म की तारीफ करते हुए एक्टर ने लिखा, पिछली रात रॉकी एंड रानी देखी। अब लग रहा है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में दर्शकों का मनोरंजन सही से हो रहा है। मुझे फिल्म पूरी तरह से पसंद आई! लेखन, प्रदर्शन, बीजीएम, सब कुछ एकदम ठीक और काफी अच्छा था। इसे दोबारा देखूंगा। आप सभी इसे सिनेमाघरों में जाकर देखें। यह बड़ी स्क्रीन के लिए बनाया गया है।'

करण जौहर के लिए लिखी यह बात

बता दें कि इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में ऋतिक रोशन और उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद को मुंबई के जुहू में एक मूवी थिएटर में एक साथ एंट्री करते हुए देखा जा सकता है। अभिनेता की इस वीडियो पर कमेंट करते हुए एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, हॉट कपल, और एक अन्य यूजर ने लिखा, साथ में बहुत अच्छे लग रहे हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा, बहुत प्यारा।

हेमा मालिनी ने एक शर्त के साथ मांगा प्रोड्यूसर्स से काम

हेमा मालिनी लास्ट फिल्म शिमला मिर्च में नजर आई थीं जो साल 2020 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के बाद से हेमा बड़े पर्दे पर नजर नहीं आई है। वहीं हेमा के साथ की एक्ट्रेसेस जैसे शर्मिला टैगोर और जया बच्चन ने हाल ही में वापसी की है और दोनों के प्रोजेक्ट्स हिट रहे। हेमा से हाल ही में पूछा गया कि क्या वह भी उन एक्ट्रेसेस की तरह वापसी करने के बारे में सोच रही हैं तो इस पर हेमा ने प्रोड्यूसर्स से काम मांगा, लेकिन काम करने की उन्होंने एक शर्त भी रखी है। बात करते हुए हेमा ने कहा, मैं फिल्मों में काम जरूर करना चाहूंगी, लेकिन अच्छा रोल होना चाहिए। अगर मुझे अच्छे रोल मिलते हैं तो क्यों नहीं मैं करूंगी? मैं सभी प्रोड्यूसर्स से कहना चाहूंगी कि आप आइए आगे और मुझे साइन कीजिए। मैं हूं अवेलेबल। दरअसल, शर्मिला टैगोर ने 13 साल बाद डिज्नी प्लस हॉटस्टार की फिल्म गुलमोहर से वापसी की जिसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है क्रिटिक्स से। वहीं जया बच्चन भी एक ब्रेक के बाद फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आई जो इस साल की हिट फिल्मों में से एक है।

बागबान को 20 साल

अक्टूबर में बागबान को 20 साल पूरे हो जाएंगे। फिल्म को रवि चोपड़ा ने डायरेक्ट किया था जिसमे हेमा मालिनी के साथ अमिताभ बच्चन लीड रोल में थे। यह फिल्म आज भी दर्शकों की फेवरेट फिल्मों में से एक है। अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के अपने एक्सपीरियंस पर हेमा ने कहा, काश हमने और फिल्में साथ में की होती बागबान के बाद। लेकिन ऐसा नहीं हुआ शायद इसलिए क्योंकि सभी सिर्फ बागबान को याद कर पाएं। अमिताभ बच्चन के साथ काम करके मजा आया था। उस वक्त भी मैंने वो फिल्म की थी कई सालों बाद। उस वक्त थोड़ी मझे हिचकिचाहट हो रही थी, लेकिन मैंने फिल्म की।

गदर 2 और पठान पर बोलीं

हेमा ने इसके अलावा हिंदी फिल्मों को वापस दर्शकों द्वारा पसंद किए जाने पर भी अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा, दर्शक फिल्मों को बड़े पर्दे पर देखना चाहते हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म तो टाइम पास है। फिल्में बड़े पर्दे पर अलग होती हैं जिनकी हमें आदत है। तो ये ओटीटी और वेब सीरीज टाइम पास के लिए सही है। यही वजह है कि गदर 2 और पठान जब बड़े पर्दे पर आई तो हिट हो गईं।

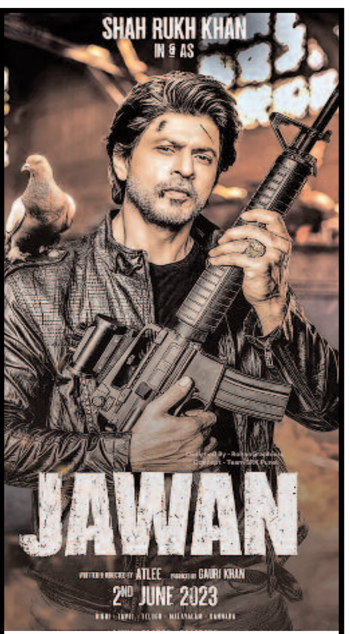

फिल्म जवान से शाहरुख खान का नॉट रमैया वस्तावैया

धमाल मचाने के लिए तैयार

शाहरुख खान ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म जवान के अपकमिंग गीत नॉट रमैया वस्तावैया का एक टीज़र साझा करके अपने प्रशंसकों को सरप्राइज किया था। अब, बिना किसी देरी के मेकर्स फिल्म के तीसरे गाने की एडिशनल झलकियां जारी करने और दर्शकों को सुपर एक्साइट करने के लिए तैयार है। जवान का ये ब्रैंड न्यू सॉन्ग कल पूरा रिलीज कर दिया जाएगा। जिंदा बंदा एक हाई-एनर्जी सेलिब्रेशन सॉन्ग और एक दिल छू लेने वाले रोमाटिंग गाने चलेया के साथ दर्शकों का एंटरटेन करने के बाद अब फिल्म जवान से नॉट रमैया वस्तावैयागाना डांस फ्लोर्स पर आग लगाने आ रहा है। टीज़र में शाहरुख खान की धमाकेदार एनर्जी दिखाई गई, जिसने निश्चित रूप से दर्शकों की उम्मीदों को बढ़ा दिया है। नॉट रमैया वस्तावैया के टीज़र में शाहरुख के मजेदार अंदाज के साथ एक माहौल सेट करने के बाद, निर्माताओं ने अब ट्रैक से एक एक्सटेंडेड वीडियो पोस्ट की हैं। ये दर्शकों को हर तरह के फ्लेवर्स की झलक देता है। ऐसे में नए कंटेंट और पोस्टर के साथ दर्शकों और प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ाते रहने का वादा करते हुए, मेकर्स फिल्म का ये नया गाना कल रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है! जवान एटली द्वारा निर्देशित, गौरी खान द्वारा निर्मित और गौरव वर्मा द्वारा सह-निर्मित रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट की प्रस्तुति है। यह फिल्म 7 सितंबर, 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी।

वर्कस्पेस बढ़ाने जा रहीं काजोल 12 करोड़ की दो प्रॉपर्टी के बाद अब खरीदा इतना महंगा नया ऑफिस

काजोल हिंदी सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह अपनी शानदार फिल्मों में दमदार किरदार के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री की हाल ही में ओटीटी पर एक के बाद दो वेब सीरीज रिलीज हुई हैं। लस्ट स्टोरीज में भी अभिनेत्री ने बेहतरीन किरदार निभाया है, इसके अलावा उनकी डेब्यू सीरीज द ट्रायल है। इस सीरीज में वह वकील के किरदार में नजर आई हैं। इस सीरीज में काजोल ने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से सबको हैरान कर दिया था। अब हाल ही में खबर आ रही है कि अभिनेत्री ने ऑफिस के लिए नई जगह खरीदी है। ओटीटी पर शानदार सफलता के बाद काजोल ने अपने वर्कस्पेस को बढ़ाने का सोचा है। ऐसे में उन्होंने मुंबई में नया ऑफिस खरीद लिया है। इसकी कीमत सात करोड़ रुपये से भी ज्यादा बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, काजोल ने ओशिवारा की सिग्नेचर बिल्डिंग में 7.6 करोड़ रुपये की एक प्रॉपर्टी खरीदी है। कमाल की बात यह है कि उसी बिल्डिंग में काजोल के पति अजय देवगन ने भी 45 करोड़ की कीमत के पांच नए फ्लैट खरीदे हैं। काजोल ने अपने वर्कस्पेस को एक्सप्लोर किया है। जहां उन्होंने ऑफिस स्पेस खरीदा है वह बिल्डिंग लोटस ग्रैंड्योर के ठीक पड़ोस में स्थित है। यहीं पर साजिद नाडियाडवाला, रिलायंस एंटरटेनमेंट, अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट और बनिजय एशिया सहित कई टॉप कंपनियां भी हैं। इससे पहले काजोल ने भी मुंबई में 16.5 करोड़ रुपये में एक अपार्टमेंट खरीदा था। कहा जा रहा है कि काजोल का यह अपार्टमेंट 2493 स्क्वायर फीट का है और इसके साथ चार कार पार्किंग भी हैं। काजोल ने भी यह प्रॉपर्टी अप्रैल महीने में ही भारत रियलिटी वेंचर्स से खरीदी थी। इससे पहले काजोल ने जुहू की अनन्या बिल्डिंग में 11.95 करोड़ रुपये में दो अपार्टमेंट खरीदे थे। कथित तौर पर, दोनों फ्लैट लगभग 2000 वर्ग फुट में है। बता दें कि काजोल की यह बिल्डिंग उनके वर्तमान बंगले, शिव शक्ति के आसपास ही स्थित है।
काजोल लगातार एक वर्किंग और बिजनेस वुमेन के तौर पर आगे बढ़ रही हैं. काम और प्रॉपर्टी के मामले में वो पति अजय देवगन से ज्यादा पीछे नहीं है। वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में काजोल को लस्ट स्टोरीज 2 में भी देखा गया था। इसके लिए उनकी तारीफ भी की गई थी। सुपर्ण वर्मा द्वारा निर्देशित वेब शो द ट्रायल- प्यार, कानून, धोखा में उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। इसके बाद उनके पास पाइपलाइन में सरजमीन और दो पत्ती भी हैं।

क्या बिग बॉस 17 में नजर आएंगी टीवी की राधा?

अब दर्शकों को बुरा लगे या अच्छा, लेकिन राधा कृष्ण सीरियल की राधिका ने साफ कर दिया है कि वह इस विवादित रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनने जा रही हैं। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती, जानकारी के मुताबिक बिग बॉस 17 के मेकर्स ने इसी सीरियल (राधा कृष्ण) में कृष्ण का किरदार निभा चुके एक्टर सुमेध मुदगलकर से भी शो का हिस्सा बनने के लिए संपर्क किया है। हालांकि इस बारे में अभी तक उनकी तरफ से कोई कंफर्मेशन नहीं आया है। बता दें कि राधाकृष्ण को टीवी से सबसे पॉपुलर और लोकप्रिय धार्मिक सीरियल्स में गिना जाता है। 1 अक्टूबर 2018 को शुरू हुआ यह सीरियल 21 जनवरी 2023 को ऑफ एयर कर दिया गया था। जाहिर तौर पर यह खबर सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गई और फैंस का एक्साइटमेंट चरम पर पहुंच गया। लेकिन क्या वाकई मल्लिका सिंह को इस शो के लिए अप्रोच किया गया है? अगर हां, तो क्या वह इस शो का हिस्सा बनेंगी? ऐसे तमाम सवाल हैं जिनके जवाब अभी तक दर्शकों को नहीं मिले हैं। एक एंटरटेनमेंट पोर्टल के साथ बातचीत में मल्लिका ने बताया, हां, शो के लिए मुझसे संपर्क किया गया था, लेकिन मैं यह शो नहीं कर रही हूं।

यारियां 2 का पहला गाना सौरे घर रिलीज

साल 2014 में रिलीज हुई यारियां को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। अब इस फिल्म का सीक्वल यारियां 2 दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए आ रहा है। फिल्म में दिव्या खोसला कुमार, मिजान जाफरी और पर्ल वी पुरी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। बीते दिनों यारियां 2 का टीजर रिलीज हुआ था। अब इस फिल्म का पहला गाना सौरे घर रिलीज कर दिया गया है। यह एक वेडिंग एल्बम सॉन्ग है। गाने में दिव्या खोसला कुमार दुल्हन के गेटअप में नजर आ रही हैं, जो अपने कजिन्स और बाकी फैमिली मेंबर्स संग डांस कर रही हैं। विशाल मिश्रा और नीति मोहन द्वारा स्वरबद्ध किए गए गाने सौरे घर को मनन भारद्वाज ने संगीतबद्ध किया है और साथ ही इसके बोल भी लिखे हैं। यह गाना राधिका राव और विनय सप्रू द्वारा कोरियोग्राफ और निर्देशित किया गया है। यारियां 2 का गाना सौरे घर टी सीरीज के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है। गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ प्रस्तुत, टी-सीरीज़ फिल्म्स और राव और सप्रू फिल्म्स प्रोडक्शन की फिल्म यारियां 2 में दिव्या खोसला कुमार, मीजान जाफरी पर्ल वी पुरी, यश दासगुप्ता, अनास्वरा राजन, वरीना हुसैन और प्रिया वारियर की अहम भूमिका है। यह फिल्म 20 अक्टूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गदर-2 के बाद 50 करोड़ फीस लेने की तैयारी में सनी देओल

सनी देओल ने गदर 2 लाकर 2023 की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक दी है। एक्टर इस क्रॉस बॉर्डर ड्रामा की सफलता को जमकर एंजॉय कर रहे हैं, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 450 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। हालिया चर्चा में बताया गया कि सनी देओल ने गदर 2 की सफलता के बाद अपनी फीस बढ़ा दी है और अब वह कथित तौर पर हर फिल्म के लिए 50 करोड़ रुपये चार्ज करेंगे। अटकलों पर बात करते हुए सनी देओल ने बताया है कि पैसे के मामले पर्सनल हैं और इसे शेयर नहीं किया जाना चाहिए। सनी ने इंटरव्यू में कहा कि वह केवल गदर 2 की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं और अगली फिल्म साइन करते समय अपनी फीस तय करेंगे। अपनी फीस बढ़ाने के बारे में बात करते हुए सनी देओल ने कहा कि वह अपनी कीमत जानते हैं और अपनी कीमत से कभी समझौता नहीं करते। उन्होंने यह भी कहा कि परिवार उनकी सबसे बड़ी संपत्ति है। अनिल शर्मा के डायरेक्शन में बनी गदर 2 का कुल कलेक्शन 456 करोड़ रुपये है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011